देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–282 I सागर, रविवार, 3 दिसम्बर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

4 राज्यों में वोटों की गिनती आज, मिजोरम में कल होगी गणना

नई दिल्ली, देशबन्धु। *पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में हुए चुनाव के बाद 4 राज्यों में मतों की गिनती आज होग, जबकि मिजोरम में सोमवार को वोटों की गिनती की जाएगी।*

रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान के चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मिजोरम के कई दलों तथा संगठनों ने राज्य में विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती

रविवार तीन दिसम्बर के बजाय चार दिसम्बर को कराने का अनुरोध किया है। आयोग के अनुसार इन संगठनों का कहना है कि तीन दिसम्बर को रविवार है और इस दिन का राज्य के लोगों के लिए विशेष महत्व है इसलिए मतगणना अन्य किसी दिन करायी जानी चाहिए। आयोग ने कहा है कि इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए राज्य में सोमवार यानी चार दिसम्बर को मतगणना कराने का निर्णय लिया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अन्य चार राज्यों के विधान सभा चुनाव के मतों की गिनती के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

किसकी होगी सरकार, फैसला आज

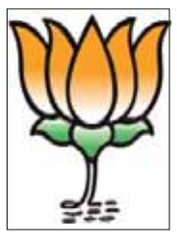

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सहित 4 राज्यों में मतगणना के साथ ही न केवल राज्य के लगभग ढाई हजार से ज्यादा प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला हो जाएगा, बल्कि दोपहर बाद तक राज्य की नई सरकार को लेकर स्थिति भी साफ होने लगेगी। भाजपा और कांग्रेस लगातार अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। मतगणना को लेकर मध्यप्रदेश में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान बुधनी से, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ छिंदवाड़ा से और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर दिमनी से, प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर से और फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला जिले के निवास से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर एक क्षेत्र से तथा चार सांसद, राज्य सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्री और अन्य प्रमुख नेताओं की किस्मत भी मतदान के बाद ईवीएम में कैद हो गयी।

मतगणना के पूर्व राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य के सभी 52 जिला मुख्यालयों पर कल सुबह 8 बजे से मतगणना शुरु होगी, जिसके बाद पूर्वान्ह से ही रुझान सामने आने लगेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मतगणना के हर राउंड के परिणाम प्रदर्शित किए जाएंगे। सुबह आठ बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती शुरु होगी, उसके आधे घंटे बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गणना होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद हर उम्मीदवार को मिले डाक मतों की घोषणा की जाएगी।

श्री राजन ने बताया कि इस बार राज्य में कुल 77.82 फीसदी मतदान हुआ है जो 2018 विधानसभा चुनाव में हुए 75.63 फीसदी मतदान से 2.19 फीसदी अधिक है। राज्य में सोलहवीं विधानसभा के गठन के लिए हो रहे चुनाव में कुल दो हजार 533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें दो हजार 280 पुरुष, 252 महिलाएं और एक अन्य (थर्ड जेंडर) प्रत्याशी शामिल हैं। कुल दो हजार 533 प्रत्याशियों में भाजपा और कांग्रेस के 230-230 के अलावा बसपा के 181, सपा के 71 और 1166 निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं।

वेबसाइट पर भी देखे जा सकेंगे परिणाम

मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट रिजल्ट्स डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन और वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से देखे जा सकेंगे। मतगणना के परिणाम सीईओमध्यप्रदेश डॉट एनआईसी डॉट इन पर प्रदर्शित किए जाएंगे। राज्य की सभी 230 सीटों पर 17 नवंबर को एक साथ मतदान हुआ था। मतदाताओं की कुल संख्या पांच करोड़ 60 लाख 58 हजार से अधिक है, जिसमें दो करोड़ 87 लाख 82 हजार से ज्यादा पुरुष और दो करोड़ 71 लाख, 99 हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। अन्य मतदाता यानी थर्ड जेंडर की संख्या 1292 है।

भाजपा को मिलने जा रहा भारी बहुमत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि इन चुनावों में समाज के हर वर्ग से भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन मिला है। भाजपा को मध्य प्रदेश में भारी बहुमत मिलने जा रहा है। अब तक के सारे अनुमान फेल हो जाएंगे। कल सब सूरज के प्रकाश की तरह साफ हो जाएगा।

निर्दलीयों से चर्चा की कोई जरूरत नहीं

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने दावा किया कि उन्हें प्रदेश के मतदाताओं पर भरोसा है और कांग्रेस को निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है। कमलनाथ ने कहा कि उन्हें एग्जिट पोल से कोई मतलब नहीं है, उन्हें मतदाताओं पर भरोसा है।

महुआ के समर्थन में उतरी कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। पैसा लेकर सदन में सवाल पूछने के मामले में आचार समिति द्वारा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता खत्म करने की सिफारिश सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी।

माना जा रही है कि सदन के बहुमत से महुआ की सदस्यता खत्म कर दी जाएगी। इससे पहले इस मामले में टीएमसी और कांग्रेस एक साथ आती नजर आ रही है। उन्होंने कहाकि नहीं लगता कि महुआ मोइत्रा ने कुछ गलत किया है। शनिवार को महुआ की सदस्यता खत्म करने को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को खत लिखकर आचार समिति के रवैए पर सवाल खड़ा कर दिया है। बिरला को लिखे चार पेज के पत्र में अधीर ने आचार समिति के रवैए पर

अधीर रंजन ने आचार समिति के रवैए पर उठाए सवाल, लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

सवाल खड़ा करते हुए संसदीय समितियों के नियमों व प्रक्रियाओं की समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार समिति और आचार समिति की भूमिका स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा अनैतिक व्यवहार क्या है,इसकी कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। अधीर ने कहाकि पैसा मागने की घटना की जांच जारी है,लेकिन यह पूरी तरह से गोपनीय होनी चाहिए। यह बेहद संवेदनशील मामला है। लेकिन आचार समिति के अध्यक्ष और सदस्यों ने न सिर्फ इसे सार्वजनिक कर दिया बल्कि इस पर अपनी-अपनी राय भी दे डाली।

दानिश ने आचार समिति के नोटिस पर जताई आपत्ति

बसपा सांसद दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को खत लिखकर आचार समिति की नोटिस पर आपत्ति जमाई है। इसमें उन्हें 7 दिसम्बर को समिति के सामने हाजिर होकर चंद्रयान-3 मिशन पर चर्चा के दौरान कथित कदाचार को लेकर मौखिक सबूत देने को कहा गया है। उन्होंने अपने खत में भाजपा सांसद रमेश बिधूडी द्वारा उनके खिलाफ की गई सांप्रदायिक टिप्पणी और भाजपा नेताओं द्वारा उनके खिलाफ की गई शिकायतों को समिति द्वारा एक साथ जोडे जाने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहाकि पीड़ित को ही आरोपी बनाकर मुख्य मामले से ध्यान भटकाने का दुखद प्रयास किया जा रहा है। उनका यह खत लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार और नैतिकता शाखा के एक अधिकारी के नोटिस के जवाब में था,जिसमें उन्हें 7 दिसम्बर को समिति के सामने हाजिर होने के लिए कहा गया है।

संसद सत्र कल से : सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए 23 दल

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार : जोशी

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसम्बर शुरू होकर से 22 दिसम्बर तक चलेगा। यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र होगा। उससे पहले शनिवार को सरकार ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाई गई।

संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक के बाद कहाकि सरकार सदन में सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। सर्वदलीय बैठक में हुई चर्चा की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस बैठक में 23 राजनीतिक दलों के 30 नेता शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस बैठक में राज्यसभा में भाजपा के नेता पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। जोशी ने कहाकि बैठक में सभी दलों से अनुरोध किया गया कि संसद में बहस के लिए उचित माहौल बनाए रखा जाना चाहिए। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। बशर्ते चर्चा के नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। सरकार सदन में ढांचागत बहस की अपेक्षा रखती है। जोशी ने कहाकि बैठक में कई तरह के सुझाव सामने आए। विपक्षी दलों की ओर से अल्पकालिक चर्चा और शून्यकाल को लेकर मांग की गई। उन्होंने कहाकि सरकार दोनों सदनों में शून्यकाल हमेशा से चलाती आ रही है। रही अल्पकालिक चर्चा तो इसके लिए नियमों के मुताबिक बहस का माहौल बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहाकि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। पिछली बार भी जब विपक्ष ने मणिपुर पर चर्चा कराने की मांग कर नोटिस जारी किया था। उस समय भी सरकार चर्चा के लिए तैयार थी। बशर्ते नियमानुसार सभापति और लोकसभा अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के फौजिया खान, आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शीतकालीन सत्र के दौरान आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट बदलने वाले तीन महत्वपूर्ण बिल पास करने पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा एथिक्स कमेटी, जिसने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश-फॉर-क्वेरी' आरोपों की जांच की थी, सेशन के पहले दिन अपनी रिपोर्ट रखेगी।

पतंजलि

सांच को आंच क्या?

साइंटिफ़िक ट्रूथ ऑफ़ सस्टेनेबल हेल्थ

रोगों से पूर्णतः मुक्त हुए एक करोड़ से ज़्यादा पेशेन्ट्स का डाटाबेस, लाखों लोगों के सेल्फ एविडेंस, रियल वर्ल्ड एविडेंस और क्लीनिकल एविडेंस हमारे पास हैं, जिनको कोई झुठला नहीं सकता।

प्रश्नः क्या बी पी, शुगर, थायरॉइड, आर्थराइटिस व अस्थमा आदि रोगों को मात्र कन्ट्रोल ही किया जा सकता है या इन रोगों से पूर्णतः मुक्त होना सम्भव है?

उत्तरः हाँ एलोपैथी के मॉडर्न साइंस में ऐसा सिद्धांत और प्रॉब्लम है कि रोगों को कन्ट्रोल तो कर सकते है, क्योर की प्रक्रिया वहां नहीं है। क्योंकि दवा बनाने वाली कम्पनियों के पास अभी तक ऐसा रिसर्च या सॉल्यूशन नहीं है। लेकिन ये समस्या एलोपैथी की है। हमने योग, आयुर्वेद एवं नैचुरोपैथी के इंटिग्रेटेड ट्रीटमेन्ट से लाखों लोगों को बी पी, शुगर, थायरॉइड, आर्थराइटिस व अस्थमा आदि रोगों से पूर्णतः मुक्त किया है। इसके रियल वर्ल्ड एविडेंस और रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड साइंटिफ़िक, ऑथेन्टिक ट्रीटमेन्ट मेथड्स हमारे पास हैं, यही हमारी सनातन सांस्कृतिक, ज्ञान-विज्ञान, प्रज्ञान, अनुसंधान की विरासत है।

प्रश्नः क्या लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन, नर्वस सिस्टम, इंफर्टिलिटी और कैंसर जैसे रोगों का भी कोई साइंटिफिक, ऑथेंटिक, सस्टेनेबल व स्थाई समाधान सम्भव है?

उत्तरः मॉडर्न मेडिकल साइंस में लिवर, किडनी ट्रांसप्लान्ट, हार्ट सर्जरी, आईवीएफ तथा कैंसर में ऑपरेशन, रेडिएशन, कीमो थैरेपी आदि का प्रावधान है, जिनसे केवल आंशिक लाभ मिलता है। फेल हुए लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन के रोगियों को हमने योग, आयुर्वेद से पूर्णतः स्वस्थ किया है और लोगों को ट्रांसप्लांट, गैर जरूरी ऑपरेशन, गैर जरूरी दवाओं आदि से बचाया है। लिवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन आदि के सेल्स को और पूरे ऑर्गन्स को रिजुविनेट किया जा सकता है, साइंटिफिक रिसर्च के साथ हमने इंटरनेशल जनर्ल्स में 500 से अधिक रिसर्च पेपर पब्लिश कर के इस तथ्य को सत्यापित किया है।

पतंजलि के 3000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल व 500 से अधिक पब्लिश्ड रिसर्च पेपर देखने के लिए विज़िट करें: www.patanjali.res.in

सेल्फ-मेडिकेशन से बचें। रोगों के उपचार का पूरा लाभ पाने के लिए आप हमारे पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् आ सकते हैं या अपने लोकल पतंजलि सेन्टर में जाकर आप इनके उपचार के बारे में पूर्ण जानकारी ले सकते हैं।

PATANJALI wellness Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।

पतंजलि वेलनेस में साप्ताहिक उपचार व रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें

8954666111, 8954666222,8954666333 (कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक)

या विज़िट करें: www.patanjaliwellness.com | booking@patanjaliwellness.com

यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना नहीं जानते हैं, तो यहाँ आ कर डायरेक्ट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

विशेषः पतंजलि का हेल्थ सेक्टर में बड़ा योगदान- टाईप 1 डायबिटिज, DMD, MND, SLE, MS, ऑटो इम्यून डिजिज़, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस, लिवर, किडनी फेलियर, कैंसर जैसी बीमारियों से पूर्ण मुक्ति के लिए पतंजलि ने रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन तैयार कर के मानवता का बहुत बड़ा उपकार किया है।

'योग, आयुर्वेद, फूड-फास्टिंग एवं थेरेपीज़' इन चारों चीजों का पूरा पालन करेंगे तो सम्पूर्ण लाभ होगा।

विश्व के सबसे बड़े योग गुरु स्वामी रामदेव जी के साथ इंटीग्रेटेड योग प्रैक्टिस एवं सैकड़ों प्रकार की इंटीग्रेटेड थेरेपीज़ से रोगोपचार के बारे में लाइव देखें व सीखें।

आस्था LIVE प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 व रात्रि 8:00 से 9:30 बजे

INDIA TV LIVE रोज सुबह 7:56 बजे

हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।

ऊपर वर्णित दवा का उपयोग मात्र सुझाव है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में हमका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

हमारा उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है: कपिल मलैया

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ विचार कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है जिसमें 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे दिए जायेंगे, इन पौधों का समयानुसार निरीक्षण किया जायेगा जिसमे जिसके पौधे सबसे अच्छी तरह विकास करेंगे उनको समिति द्वारा पुरस्कार भी दिया जायेगा। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी ये पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पेड़ों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद इनको जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। इसी आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ हैं उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी 25 संख्या, पंचम पुरस्कार मिलटन वाटल 50 संख्या, सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स 50 संख्या रहेगा। हालाकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के पौत्र प्रमोद गुप्त एवं मीरा गुप्त बुन्देलखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित

सागर, देशबन्धु। बुन्देलखण्ड विश्व कोश समिति की अध्यक्ष डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. हरिमोहन गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी एवं पर्यावरण समिति के प्रभारी प्रो. एसआर गुप्ता सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के भाई संतकवि सियाशरण गुप्त के पारिवारिक उत्तराधिकारी प्रमोद गुप्त एवं मीरा गुप्त की साहित्य में रूचि को देखते हुए बुन्देलखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. सरोज गुप्ता ने बुन्देलखंड विश्वकोश योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा बुन्देलखण्ड की कला, संस्कृति, ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के लिए विश्व कोश के निर्माण का कार्य प्रगति पर है उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के परिवार जनों को संस्था के संरक्षक के रुप में दिए गए सहयोग से हम अभिभूत हैं। आपकी साहित्यिक सेवाएं अनुकरणीय हैं। आपको सम्मानित कर हम सब गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सम्मान से अभिभूत प्रमोद गुप्त में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त एवं संतकवि सियशरण गुप्त के स्मरण सुनाकर संस्था के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। संस्था के पदाधिकारियों द्वारा डॉ. सरोज गुप्ता पर आधारित पुस्तिका अनुकृति का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सोम तिवारी, तरुण द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

समय को सार्थक करो, वर्तमान को सुंदर बनाओ: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। समय को सार्थक करो, वर्तमान को सुंदर बनाओ, बीता हुआ पल पुन: वापस नहीं आता इसलिए चिंता छोड़ो, चिंता चिता के समान है यह बात मुनि श्री सुदत्तसागर ने श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी में प्रवचन सभा में कहीं। मुनिश्री ने कहा आयु का कोई भरोसा नहीं है, कब तन तरु से पक्षी उड़ जाये इसलिए आत्म कल्याण हेतु शीघ्रता से कदम बढ़ाओ। अपने बुजुर्गों की सेवा करो, आपके बच्चे परिवारजन देख रहे हैं, आपकी भी वह बच्चे भविष्य में सेवा करेंगे। अपनी बची हुई जिंदगी भगवान को समर्पित कर दो। सब का जीवन भूत अपावन में था, पावन बनाओ। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा भौतिक ज्ञान पेट भरने की कला और आध्यात्मिक ज्ञान संसार से पार उतारने की कला सिखाते हैं, सम्यक ज्ञान सच्चा ज्ञान है, पदार्थ से नहीं, परमार्थ से जोड़ता है। ग्रन्थ के पढ़ने से सहनशीलता आती है, मन की चंचलता दूर कर अज्ञानता का नाश करता है। स्वाध्याय से असंख्यात गुणी कर्मों की निर्जरा होती है और उलझे हुए प्रश्न सुलझ जाते हैं। चौधरन बाई दिगंबर जैन मंदिर, बड़ा बाजार समिति के श्रद्धालुओं ने मुनि संघ के चरणों में श्रीफल अर्पित कर पधारने के लिए निवेदन किया।

हे प्रभु! विश्व की, युद्ध से मुक्ति हेतु, हर राष्ट्र नायक को अहिंसा, प्रेम व शांति भाव का आशीष दें: बख्शी

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच सागर की 1507 वीं संगोष्ठी निर्वाध गति से निरंतर क्रम में संपन्न हो गई। संगोष्ठी का संचालन करते हुए कवि डॉ. नलिन जैन के द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की वंदना से संगोष्ठी की शुरुआत हुई। गोष्ठी के अध्यक्ष कृष्णकांत बख्शी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में युद्ध, शांति, प्रार्थना के अपने वैचारिक त्रिभुज पर प्रकाश डालते हुए कहा अनादिकाल से युद्ध समाज के लिए विनाश व दुख का कारण रहा है, विध्वंस ही इसकी परिणित रहीं हैं, पर मनुष्य को सदैव शांति की आस रही है। राष्ट्र नायक की विस्तारवादी, विचार धारा ही युद्ध की मूल प्रेरणा रही है। यदि राष्ट्र नायक के मूल भाव, अहिंसा प्रेम व शांति से परिपूर्ण रहें तो युद्ध की आशंका भी निर्मूल रहेगी। भाव-परिवर्तन से व्यक्तित्व-परिवर्तन के अनेक प्रभावी उदाहरण जीवंत है। राज्य त्याग कर राजकुमार सिद्धार्थ बुद्ध तो राजकुमार वर्द्धमान महावीर बन गए, डाकू रत्नाकर, महर्षि वाल्मीकि होकर रामायण रच गये। भारत की आजादी के नायक महात्मा गांधी के अहिंसा मार्ग के अनुशरण में देश वासी भी अहिंसा की शक्ति से ओतप्रोत होकर, बिना खड्ग बिना ढाल, देश को आजाद कर गये। जैसा जन-नायक-विचार, वैसा जनता का आचार, इसका सुंदर उदाहरण है, हमारी आजादी की कहानी। अब प्रश्न यह कि विश्व के राष्ट्र, अध्यक्षों व विभिन्न संगठन अध्यक्षों को अहिंसा व शांति भाव से परिपूर्ण कैसे किया जावे। हमारे धर्म, ग्रंथ, साधु, संत एवं आज के मोटिवेशनल स्पीकर अनुशंसा करते हैं कि प्रार्थना से स्वयं व अन्यों का आचार विचार व व्यवहार सकारात्मक स्वरूप से बदला जा सकता है। तो क्यों न हम समस्त विश्वजन नित्य यह प्रार्थना करें हे प्रभु! विश्व की युद्ध मुक्ति हेतु हर राष्ट्र नायक, संगठन नायक को अहिंसा प्रेम व शांति-भाव का आशीष-अमृत प्रदान करें ताकि सकल विश्व युद्ध की विभीषिका से मुक्त होकर, वसुधा एक कुटुंब जीवंत हो जावे। काव्य पाठ करते हुए कहा जब कलम प्रसव वेदना झेल रही थी, प्रकृति भेद पर भेद खोल रही थी। उसने कल कल झरनों के गीत गाये, सघन वन जैसे जैसे चेताये, मोरों ने जैसे अपने पंख फैलाये। इस गोष्ठी में काव्य पाठ हेतु नागपुर से मंजूषा किंजवाडकर, जबलपुर से जय श्रीकांत जयु एवं पृथ्वीराज राव चौहान, निवाडी से राम निवास तिवारी आशुकवि, पृथ्वीपुर से वीरेंद्र त्रिपाठी एवं विनोद वर्मा दर्द, रीवा से डॉ. बारेलाल जैन, बड़ामलहरा से डॉ. देवदत्त द्विवेदी सरस एवं संजय तिवारी दमोह से डॉ. रघुनंदन चिले एवं विमला तिवारी, सागर से डॉ. सीताराम श्रीवास्तव भावुक, पूरन सिंह राजपूत, डॉ. नलिन जैन, अबरार अहमद, सुनीला सराफ ने काव्य की विभिन्न प्रस्तुतियां दी। संगोष्ठी में उपस्थित साहित्य मनीषी व प्रबुद्धजनों ने कवियों का उत्साह वर्धन किया और गोष्ठी के संयोजक मणीकांत चौबे ने आभार व्यक्त किया।

डॉ. गौर स्वास्थ्य परामर्श केंद्र पर पहले हफ्ते 42 मरीजों ने जांच कराई

सागर, देशबन्धु। गौर जयंती के अवसर पर कुलपति के निर्देशन के पश्चात कटरा स्थित गौर अध्ययन केंद्र में डॉ. गौर स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में प्रथम शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 42 मरीजों ने जांच कराई जिसमें में 15 डायबिटीज, 20 ब्लड प्रेशर, 5 हृदय रोग से पीड़ित मरीजों ने स्वास्थ्य परामर्श लिया। मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार जैन एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेंद्र पटेल द्वारा किया गया। आगामी बुधवार 6 दिसंबर को पुन: चिकित्सकीय परामर्श डॉक्टर गौर अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध रहेगी। उक्त दिनांक को नि:शुल्क ब्लड शुगर की जांच की व्यवस्था रहेगी।

गुलाब बाबा पालकी का किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। सागर नगर में गुलाब बाबा की भव्य शोभा यात्रा का आगमन हुआ। इस अवसर पर कांग्रेस सागर की प्रत्याशी निधी सुनील जैन यात्रा में सम्मिलित हुए आशीर्वाद लिया और प्रसादी ग्रहण की।

सागर, देशबन्धु। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने अनाज तिलहन एवं व्यापारी संघ के अध्यक्ष भाजपा नेता महेश साहू के नवीन प्रतिष्ठान वेयर हाऊस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी व भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

विधायक निवास पर संगीतमय भक्तांबर पाठ का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन एवं अनुश्री जैन ने धर्मश्री स्थित निवास पर संगीतमय भक्तांबर स्त्रोत पाठ का आयोजन किया। आयोजन में बड़ी संख्या मे शामिल साधर्मी बंधुओ ने पूर्ण भक्ति भाव से जैन भजन गायिका अहिंसा जैन के साथ आचार्य मानतुंग द्वारा रचित भक्तांबर स्त्रोत का पाठ किया। जैन म्यूजिकल टीम ने मनमोहक सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रत्येक काव्य के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप के साथ अर्ध समर्पित किया। पूर्ण विधि विधान एवं मांगलिक क्रियाओं के साथ संपन्न हुए इस आयोजन हेतु श्री जैन एवं अनु श्री जैन को आगंतुकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री जैन कहा कि जब आचार्य मानतुंग अपने आपको जिनेंद्र प्रभु के चरणों में समर्पित करते हैं, तो उनके अंतर्मन से भक्ति काव्य की धारा प्रस्फुटित होती है। कहने को तो इसमें मात्र 48 लोक ही हैं, पर सचमुच इसकी गहराई में उतरा जाए तो भक्ति भावना से जुड़ी प्रभावी साधना का यह समूचा दर्शन है स्वयं आचार्य मानतुंग इस काव्य की रचना करते करते बंधनमुक्त हो गए थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सागर विधानसभा क्षेत्र के जैन धर्मावलंबी शामिल हुए।

छात्रा से छेड़खानी के आरोपी को 5 वर्ष का कारावास

सागर, देशबन्धु। छात्रा के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी चैन सिंह को अदालत ने 5 वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट 2012 नीलम शुक्ला की कोर्ट में प्रकरण की सुनवाई हुई। मामले में शासन की ओर सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रिपा जैन ने पैरवी की। प्रकरण में आरोपी पर लैंगिक हमला करने के अपराध की पूर्व दोषसिद्धि थी। जिसे अभियोजन द्वारा प्रमाणित की गई, जिस कारण आरोपी को उपबंधित दंड से वर्धित दंड दिया गया है। अभियोजन के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बालिका ने थाना जैसीनगर में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि घटना दिनांक को वह अपने घर से स्कूल जा रही थी। तभी रास्ते में मंदिर के पास पहुंची तो पीछे से आरोपी चैन सिंह आया और उसने तौलिया से उसका मुंह दबा दिया। उसके साथ छेड़छाड़ की। वह चिल्लाई तो उसके पीछे से आ रहे गांव के व्यक्ति को देख आरोपी भाग गया। बालिका ने घर आकर घटना के संबंध में परिवार वालों को बताया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जांच पूरी होने पर कोर्ट में चालान पेश किया। न्यायालय ने मामले में सुनवाई शुरू की। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने प्रकरण से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। न्यायालय ने मामले में सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चैनसिंह को 5 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने हेतु हस्ताक्षर अभियान

सागर, देशबन्धु। स्थानीय सिगरेट बीड़ी एवं तंबाकू उत्पादों का उपयोग युवा महिलाओं पुरुषों और बच्चों के साथ उनके परिवार की सदस्यों के लिए हानिकारक है इस दुष्प्रवृत्ति से कई जन अकाल ही मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। इस दुष्प्रवृत्ति को बढ़ावा ना मिले यह दुष्प्रवृत्ति सभी की पहुंच से दूर रहे इस हेतु सीआर मॉडल बहुउद्देशीय उच्च. माध्य. विद्यालय के छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर किए। इस अभियान की संयोजिका साधना यादव एवं उनके सहयोगी ने बताया कि यह अभियान जिले की समस्त स्कूलों में चलाया जा रहा है जिसमें कक्षा दसवीं से 12वीं के छात्र एवं कॉलेज के छात्रों को इस हस्ताक्षर अभियान में सम्मिलित किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य यही है कि तंबाकू उत्पादों पर सरकार अधिक टैक्स बढ़ा दे ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी इस नुकसान से बच सके। हस्ताक्षर अभियान में प्राचार्य एसके रोहन ने कहा कि यह सार्थक व अच्छी पहल है मैं सर्वप्रथम हमारी शाला में पधारी संयोजिका का का स्वागत करता हूं। मैं विनम्र अनुरोध करूंगा की विशेष कर इन जीवनदायिनी उत्पादन का खरीदने व दूर रखने के लिए इन पर टैक्स लगाया जावे। इस हस्ताक्षर अभियान में प्राचार्य एसके रोहण, एसएम औदिच्य, डॉ. अरुण कुमार सोनी, यूके नागार्च, एनपी सकवार, आरके सेन, रविंद्र तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ट्रक की टक्कर से गाय घायल

खुरई, देशबन्धु। पठारी रोड पर शनिवार को महुना गांव के पास ट्रक की टक्कर से एक गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। इस मार्ग पर वाहनों की टक्कर से अक्सर मवेशियों के घायल होने और उनकी मौत की खबरें सामने आती हैं। खुरई-पठारी रोड़ पर महुना जाट गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने गाय को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घायल गाय का इलाज कराया और उसे गौशाला भेजा। खजरा हरचंद गांव के अंकेश यादव, राजा यादव ने बताया कि खुरई-पठारी मार्ग पर खजरा हरचंद और महूना जाट गांव में बीच आए दिन वाहनों की टक्कर से मवेशी घायल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां से निकलने वाले भारी वाहनों की वजह से सप्ताह में दो-तीन बार मवेशी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। कुछ दिनों पहले ही अज्ञात वाहन की टक्कर से दो मवेशियों की मौत हो चुकी है।

राज्यरानी एक्सप्रेस की सेवा कल से बहाल होगी

बीना, देशबन्धु। भोपाल-दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस की सेवा रविवार से बहाल होने जा रही है। राज्यरानी एक्सप्रेस ट्रेन छह दिनों से बंद चल रही थी। इस ट्रेन के बंद होने के कारण दमोह से लेकर बीना रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले सैकड़ों की संख्या में यात्री परेशान हो रहे थे। रेल प्रशासन ने यात्रियों की मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए भोपाल-दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस 22161 व 22162 की सेवा बहाल कर दी गई है। ट्रेन नंबर 22161 भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस 3 दिसंबर से और ट्रेन नंबर 22162 दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस 4 दिसंबर से अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार चलती रहेगी।

नवविवाहिता की जहर खाने से मौत

देवरी, देशबन्धु। झुनकू वार्ड निवासी नवविवाहिता ने जहर खा लिया। जिसकी इलाज के दौरान बीएमसी में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। मामले में मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार झुनकू वार्ड निवासी शिल्पी पति अंकुर सोनी उम्र 25 साल ने 28 नवंबर को अज्ञात कारणों के चलते घर में जहर खा लिया था। जिसे परिवार वालों ने देवरी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद शिल्पी को जिला अस्पताल रैफर कर दिया। बीएमसी में इलाज के दौरान शिल्पी की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। पीएम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया गया है। मृतका के चाचा भीष्म सोनी निवासी केसली ने बताया कि मृतका भतीजी शिल्पी की शादी पिछले साल अप्रैल में अंकुर के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही सास राजश्री सोनी, ससुर राजकुमार और पति अंकुर पैसों की मांग कर शिल्पी को प्रताड़ित कर रहे थे। दीपावली के समय मृतका को घर पर छोड़ गए थे। सास मांग कर रही थी कि अपनी बच्ची को अलग घर दिलाना है, जिसके लिए दस लाख रुपए चाहिए। जिसके बाद जैसे-तैसे करके हमने पांच लाख रुपए उन्हें दिए थे। लेकिन इसके बाद भी वे नहीं माने और भतीजी को प्रताड़ित करते रहे। जिस कारण उसने जहर खा लिया। मामले में मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि पुलिस मर्ग कायम कर नवविवाहिता की मौत के पीछे के कारणों की पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने जब्त की 62 लीटर अंग्रेजी शराब, आरोपी को किया गिरफ्तार

खुरई, देशबन्धु। खुरई शहरी थाना पुलिस ने अब्दुल हमीद वार्ड में एक घर से करीब 62 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शहर के अब्दुल हमीद वार्ड में एक घर में बड़ी मात्रा में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये अनुसार घर में दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा जिसे पुलिस की टीम ने पकड़ा तो पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जितेंद्र पिता जमना अहिरवार 30 निवासी अब्दुल हमीद वार्ड बताया। पुलिस की टीम ने घर की तलाशी ली, तो आरोपी के घर की छत से 61.56 लीटर कीमत 62 हजार की अंग्रेजी शराब जब्त की गई।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने शाहिद पठान से शराब खरीदना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कार्यवाही में खुरई शहरी थाना प्रभारी शशि विश्वकर्मा, गौरव गुप्ता, धनेंद्र सिंह यादव, महिपाल सिंह, जयेंद्र सिंह सेंगर, सूरज शर्मा, महेश नामदेव, राजा वेदी, अरुण लोधी शामिल रहे।

विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा अंतर्गत जन जागरूकता रैली का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत रजाखेड़ी शहरी स्वास्थ्य केन्द्र में आंगनवाड़ी सहायिका/कार्यकर्ता एवं रजाखेड़ी स्वास्थ्य स्टॉफ तथा तुमुल सोसायटी स्टॉफ द्वारा जन जागरूकता रैली का आयोजन किया एवं आईईसी मटेरियल वितरण किया। चितोरा टोल नाका पर ट्रक ड्रायवर्स के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमें उनकी एचआईव्ही स्क्रनिंग, टीबी स्क्रीनिंग, परामर्श एवं आईईसी मटेरियल वितरण किया। शिविर में 29 ट्रक ड्रायवर्स की एचआईव्ही स्क्रीनिंग की गई जिसमें कोई भी रीएक्टिव नहीं आया। वहां मौजूद ट्रक ड्रायवर्स को जिला नोडल अधिकारी डॉ. रोहित पंथ द्वारा एचआईव्ही के कारण एवं बचाव के बारें में विस्तार से बताया गया। परियोजना प्रबंधक हसन खान ने सभी की टीबी स्क्रीनिंग की, भूपेन्द्र प्रजापति ने सभी को यौन रोगों के बारे में बताया। शिविर में असद खान, हेमंत पटैल, अमजद खान, आकाश प्रजापति, गोविंद पटैल आदि उपस्थित रहे।

सार समाचार

असाटी मंदिर में श्री हरि कथा 15 दिसंबर से

छतरपुर, देशबन्धु। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वाधान में 15 दिसंबर से छतरपुर के असाटी मोहल्ला में स्थित असाटी मंदिर में तीन दिवसीय संगीतमयी श्री हरि कथा का आयोजन किया जा रहा है। ये आयोजन 17 दिसंबर तक चलेगा। बताया गया है कि कथा व्यास आशुतोस महाराज होगे। जो प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक श्रद्धालुओं को कथा सुनायेंगे। आयोजन की सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। इसके लिये आयोजन समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

दुराचार का अरोपी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

छतरपुर, देशबन्धु। बिजावर उप जेल में बंद दुराचार के आरोपी की तबियत अचानक खराब होने पर उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। वहां आईसीयू में भर्ती करके उसका उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार उपजेल बिजावर में दुराचार का 35 वर्षीय आरोपी हुसैन खान पुत्र मकबूल खान बंद था। अचानक देर शाम उसकी तबियत बिगडने लगी, तो उसे जिला जेल लाकर जांच कराई गई। काफी देर तक हालत में सुधार न होने पर उसे तुंरत जिला अस्पताल लाया गया। यहां उसे आईसीयू में भर्ती करके उपचार किया जा रहा है। डाक्टर का कहना है कि बंदी हुसैन का ब्लड प्रेषर बढा हुआ है। उसकी हालत सामान्य होने में समय लगेगा।

खेत से मोटर पंप चुराने वाला आरोपी पकड़ा

छतरपुर, देशबन्धु। नौगांव पुलिस ने खेत से मोटर पंप चुराने वाले एक आरोपी को पकड़कर उसके पास से चुराया गया पंप बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि झींझन निवासी लखनलाल प्रजापति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके खेते में सिंचाई के लिये रखा मोटर पंप चोरी हो गया है। इस मामले की रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना के दौरान मुखबिर से पक्की सूचना मिली। इसके आधार पर बाहर जाने के प्रयास में झींझन के बस अडडे पर बैठे आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से चुराया गया पंप बरामद करके उसे न्यायालय में पेश किया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

आज ईव्हीएम से होगा किस्मत का फैसला, कहीं होगी खुशी तो कहीं गम

6 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा के बीच ही परिणाम आने की उम्मीद

छतरपुर, देशबन्धु। लंबे इंतजार के बाद रविवार को सुबह 8 बजे से ईव्हीएम में लांक उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला बाहर आना शुरू हो जायेगा। दोपहर दो बजे तक पूरी तस्वीर साफ हो जायेगी कि मतदाताओं ने किसे सराहा और किसे नकारा है। जो रूझान मिल हैं उनके अनुसार इस बार फैसला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही होने वाला है।

रविवार को होने वाली मतगणना की तैयारी प्रशासन ने पूरी कर ली है। कडी सुरक्षा के बीच ईव्हीएम मशीनों को गणना स्थल पर लाया जायेगा। इसके बाद गणना की जायेगी। जिससे सुबह 11 बजे तक कौन आगे और कौन पीछे है ये रूझान मिलने लगेगा। पूरी तस्वीर दोपहर दो बजे तक काफी हद तक साफ हो जायेगी। देखा जाए तो इस बार प्रत्याशियों ने प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंकी है। एक दूसरे पर आरोपों सहित निजी स्तर पर बयानों के बम फोड़े गए हैं। मतदाताओं ने अपना मौन मतदान के दिन तोडकर उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला ईव्हीएम में लाक कर दिया था। पूरी चुनावी तस्वीर से ये बात साफ नजर आ रही है कि फैसला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होने वाला है। बाकी दलों के या फिर निर्दलीय उम्मीदवार केवल वोट काटकर हारजीत का गणित बिगाडने की भूमिका तक सीमित रहने वाले हैं। चुनावी तस्वीर को देखें तो छतरपुर जिले की 6 विधानसभा सीटों में महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर, बिजावर और बडामलहरा में कुल 84 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला हुआ है। सबसे ज्यादा रोचक छतरपुर विधानसभा सीट का मुकाबला और सबसे कम चर्चाओं में चंदला की सुरक्षित सीट का मुकाबला है। वहीं कांग्रेस की अजेय राजनगर सीट पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त मिश्रा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। बिजावर सीट शराब माफिया और बालू माफिया के बीच मुकाबला चर्चा में रहा है।

विधानसभा 48 महाराजपुर

महाराजपुर सीट से 13 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होना है। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस के वर्तमान विधायक नीरज दीक्षित और भाजपा के युवा कामाख्या प्रताप सिंह के बीच रहा है। नीरज दीक्षित को कांग्रेस के बागी और सपा की साइकिल पर सवार दौलत तिवारी ने भरपूर नुकसान पहुंचाया है। अब फैसला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होने के रूझान मिल रहे हैं। बाकी उम्मीदवार केवल वोट काटने की स्थिति में रहेगे, इनमें से कई की तो जमानत जब्त होना तय है।

विधानसभा क्षेत्र 49 चंदला

चंदला सीट आरक्षित से 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। यहां भाजपा ने दिलीप अहिरवार को चुनाव लडाया है। उन्हें सीधी चुनौती कांग्रेस के हरप्रसाद अनुरागी ने दी है। इनके बीच ही हारजीत का फैसला होना है। यहां भी बाकी प्रत्याशी केवल वोट काटने तक सीमित रहने वाले हैं ।

विधानसभा क्षेत्र 50 राजनगर

राजनगर सीट से इस बार 19 प्रत्याशी चुनाव लडे हैं। यह कांग्रेस की अजेय सीट मानी जाती है। यहां से लगातार जीत रहे विधायक विक्रम सिंह कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया के बीच कडा मुकाबला रहा है। इनके बीच भाजपा से बागी होकर बसपा से चुनाव लडे डा घासीराम पटेल ने मुकाबले को रोचक बना दिया है। यहां से बाकी उम्मीदवारों के सामने अपनी जमानत बचाने की चुनौती सबसे बडी है।

विधानसभा क्षेत्र 51 छतरपुर

पूरे जिले में छतरपुर सीट का मुकाबला सबसे अधिक चर्चा का केन्द्र रहा है। यहां से 14 प्रत्याषियों ने चुनाव लडा है। भाजपा की पूर्व मंत्री ललिता यादव का सीधा मुकाबला कांग्रेस के वर्तमान विधायक आलोक चतुर्वेदी से रहा है। इस मुकाबले को अजीब मोड पर पहुंचाया है कांग्रेस से बागी होकर बसपा के हाथी पर सवार डीलमणि सिंह ने। यहां भाजपा और कांग्रेस दौनों दलों को अपनों से भितरघात का बराबर का खतरा रहा है। मगर फैसला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही होने के आसार हैं।

विधानसभा क्षेत्र 52 बिजावर

बिजावर सीट से 14 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहे हैं। यहां सपा से भाजपा में आये वर्तमान विधायक राजेश शुक्ला ही भाजपा से चुनाव लडे हैं। बबलू को शराब माफिया के रूप में जाना जाता है। इनको सीधी चुनौती कांग्रेस के पैराशूट प्रत्याशी चरण सिंह ने दी है। चरण सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के धनकुबेर और बालू माफिया हैं। इस तरह से यहां से शराब माफिया बाजी मारेगा या फिर बालू माफिया। बाकी प्रत्याशी केवल वोट काटने तक सीमित रहने वाले है। इनकी जमानत भी जब्त हो जाये तो कोई बडी बात नहीं होगी।

विधानसभा क्षेत्र 53 मलहरा

बडामलहरा सीट से 15 प्रत्याशी चुनाव लडे हैं। प्रद्युम्न सिंह लोधी जो वर्तमान विधायक हैं वे ही भाजपा से चुनाव लडे है। उनके विरोध में कांग्रेस की रामसिया भारती ने कडी टक्कर दी है। यहां भी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही सीधा मुकाबला रहा है। यहां विधायक विरोधी लहर के कारण चुनाव बड़ा रोचक और चर्चा का केंद्र रहा है। यहां भी अन्य प्रत्याशी केवल गिनेचुने वोट ही जुगाड पाने की स्तिथि में रहने वाले हैं।

कीचड़ होने पर मरीज को चारपाई पर लिटाकर लाते हैं ग्रामीण

गांव में कीचड़ भरी कच्ची सड़क पर चलना मुश्किल, जिम्मेदार मौन

छतरपुर, देशबन्धु। बड़ामलहरा जनपद पंचायत के बम्होरी खुर्द के मजरा ग्राम भदौरा में पक्की सड़क न होना ग्रामीणों के लिये परेशानी का सबब बन गया है। कच्ची सडक पर एंबुलेंस न पहुँचने के कारण प्रसूता व अन्य मरीजों को बैलगाडी से और कीचड होने पर मरीज को चारपाई पर लिटाकर लोग कंधों पर उठाकर उसे अस्पताल पहुंचाते हैं।

बुंदेलखंड के कई हिस्से में अभी भी सड़क, बिजली सहित कई सुविधाओं से वंचित है। सडकें न होने से कहीं प्रसूता को बैलगाड़ी से अस्पताल लाना पडता है तो कही बारिश हो जाने से जब सडकें दलदल में तब्दील हो जाती हैं तब मरीजों को चारपाई पर लिटाकर अस्पताल ले जाना मजबूरी बन जाता है। विकास के झूठे दावों के बीच आए दिन सामने आने वाले लापरवाही के मामले शासन की योजनाओं को पलीता लगा रहे हैं। ऐसा ही मामला ग्राम भदौरा का है। जहां पक्की सडक न होने से ग्रामीणों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड रहा है। जानकारी के अनुसार भदौरा जाने के लिए सेवार से भदौरा तक पूरा रास्ता कच्चा है। जो बारिश में इतना दलदल भरा हो जाता है कि वहां चार पहिया वाहन दूर की बात ठीक तरह से दो पहिया वाहन तक जाना मुश्किल हो जाता है। भदौरा के लोगों ने बताया कि जब कभी किसी की तबीयत ज्यादा खराब हो जाती है तो रास्ते से वाहन न निकल पाने के कारण मरीज को चारपाई पर रखते हैं, फिर चारपाई को कंधों पर रखकर अस्पताल तक ले जाना पड़ता है। ग्रामीण बताते हैं कि गर्भवती महिलाओं के प्रसव के लिए ग्राम में जननी एक्सप्रेस नहीं पहुंच पाती है। गर्भवती महिलाओं की अकसर घर पर ही डिलेवरी करवानी पड़ती है। जिससे कई बार मामला बिगड़ा है। गर्भवती महिलाओं की हालत ज्यादा बिगड़ती है तो उन्हें भी चारपाई के सहारे मौत का सफर तय करना पड़ता है।

बारिश में हालत और बदतर

गांव में सडक न होने से ग्रामीणों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बरसात में सडक दलदल में बदल जाती है। तब हालत और भी बदतर हो जाती है। सडक खराब होने के कारण बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं। जिससे वे अच्छी शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। गांव वालों का कहना है कि इस कारण बच्चे शिक्षा से वंचित रह गये तो आगे भी गांव का भविष्य अंधकार में रहेगा। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सरपंच से कई बार कहा गया कि ग्राम में सडक डलवाई जाए। लेकिन सरपंच ने उनकी बात नहीं मानी है। ग्रामीण बताते हैं कि इस समस्या के समाधान के लिये कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा गया पर किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

भारी मात्रा में यूरिया खाद आने से मिलेगी अन्नदाता को राहत

यूरिया की रैंक पहुंची हरपालपुर, दूर हुआ खाद संकट

हरपालपुर, देशबन्धु। जिले में बीते दिनों से चले आ रहे खाद संकट के बीच शनिवार को अन्नदाताओं के लिये राहत वाली खबर आई है। दरअसल 2620.62 एमटी यूरिया की रैंक पहुंची हरपालपुर के रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई है। जो जल्दी ही सरकारी गोदाम और समितियों तक पहुचकर किसानों को वितरित की जाने लगेगी।

जिले में लगातार खाद की अपूर्ती के बाबजूद भी संकट बना हुआ है। जिले में छाए खाद संकट की खबरें समाचार पत्रों में लगातार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत मे आया है। जिला प्रशासन के प्रयास से जिले में तीन दिनों में तीन खाद की रैंक पहुंचने वाली हैं। शनिवार को जिले के हरपालपुर रेलवे स्टेशन के रैंक पॉइंट पर 2620.62 एमटी यूरिया की रैक एनएफएल से पहुंची है। खाद संकट के बीच कृषि विभाग और किसान दोनों ने राहत की सांसे ली। बताया गया है कि बांदा रेलवे स्टेशन पर 2700 मैट्रिक टन ईएफको यूरिया की 42 डिब्बो की रैंक वही झाँसी स्टेशन पर 4000 एमटी की एनएफएल डीएपी की रैंक रोकी गई। जैसे ही हरपालपुर रैंक पॉइंट खाली होगा वैसे तीन दिनों में ये दो खाद की रैंक भी हरपालपुर स्टेशन के रैंक पॉइंट पर उतरेगी। जिस से जिले में खाद संकट पर काफी हद तक काबू पा लिया जाएगा। किसानों को भी समय पर यूरिया डीएपी खाद मिल सकेगा।

रैक पॉइंट से खाद जाएगी वितरण के लिए

शनिवार को गुजरात पोर्ट से हरपालपुर पहुंची एनएफएल यूरिया की रैक में 2410.62 मैट्रिक यूरिया को अब जल्दी से जल्दी वितरण के लिये ट्रकों से भेजने की तैयारी कर ली गई है। बताया गया है कि टीकमगढ़ जिले के लिए 210 मैट्रिक टन यूरिया और छतरपुर जिले के लिए 1624.62 मैट्रिक टन यूरिया का आवंटन किया गया है। ये यूरिया मार्कफेड गोदामों में भेजी जाएगी। यहां से वितरण केंद्रों पर भेजकर किसानों को वितरित की जाएगी।

जानकारी के अनुसार छतरपुर मार्कफेड गोदाम में 450 एमटी, बिजाबर में 270 एमटी, हरपालपुर में 108 एमटी, बमीठा में 266.22 एमटी, घुवारा में 175 एमटी, लवकुशनगर में 300 एमटी यूरिया भेजी जा है। इसी तरह एमपी एग्रो को 50.4 एमटी, सहकारी समिति के लियर 180 एमटी और टीकमगढ़ जिले के पलेरा मैं 210 एमटी यूरिया ट्रकों से परिवहन कर भेजा जाएगा। ये भी बताया है कि 2656.23 यूरिया रैक में 70 प्रतिशत मार्कफेड सहकारी समितियों को आवंटन किया गया। 786 एमटी यूरिया निजी खाद विक्रेताओं को दिया जाएगा।

अब किसानों को नहीं होगी यूरिया की कमी

वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सूरजभान पटेल ने बताया जिले में यूरिया की किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी। तीन दिनों में यूरिया और डीएपी रैक आ रही हैं। डिमांड के हिसाब से जिले के मार्कफेड गोदामों सहकारी समितियों में भेजा जाएगा। साथ ही रैंक पॉइंट यूरिया जल्द उठाव के लिये कृषि विभाग के अधिकारी सुरेंद्र अग्रवाल की ड्यूटी लगाई जिनकी निगरानी में समय से यूरिया का परिवहन हो सके। रैक पॉइंट पर कृषि विभाग की निगरानी में परिवहन ठेकेदार राजेंद्र अग्रवाल द्वारा आधा सैकड़ा ट्रक लगाकर समय से यूरिया का परिवहन किया जा रहा है। मावठ की बारिश से बचाब के लिये यूरिया को रैक पॉइंट पर तिरपाल से कवर किया गया है। जिससे यदि बारिश भी होती तो भी यूरिया को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा।

अस्पताल से अराजकता और आपसी झगड़े का माहौल

नौगाँव, देशबन्धु। नगर के टीबी अस्पताल के पास बना चौहान अस्पताल काफी समय से अराजकता फैला रहा है चाचा भतीजे के बीच जो कमटीशन चल रहा उससे अस्पताल क्षेत्र सहित बस स्टैंड का भी माहौल बिगड़ रहा है दोनों डॉक्टरों के बीच मची खींचतान ने अपने अपने लोगो को अस्पताल से बस स्टैंड तक फैला रखा है जो टीबी के मरीज बाहर से आते है उन्हें अपने अपने डॉक्टर के पास ले जाने हेतु यह टपके मरीज को खींचतान करते है साथ ही आपस मे लड़ कर माहौल खराब करते है इनके बीच भी कमटीशन है जो जितने मरीज पकड़कर अपने 2 अस्पताल पहुचायेगा उसे प्रति मरीज के हिसाब से मोटी कमीशन मिलती है इसलिए यह आपस लड़ जाते है साथ ही मरीजो को भी परेशान करते है इसकी कई शिकायत पुलिस से भी हुई है और पुलिस इन्हें पकड़कर थाने भी ले गयी मगर यह वहां से छूटकर फिर अपने काम पर लग जाते है वही अस्पताल के सामने दोनों तरफ इतने वाहन खड़े हो जाते है कि जाम की स्थिति बन जाती है वही इनके झगड़े सड़क पर होने से बसों को भी निकल पाना मुश्किल हो जाता है।

शनिवार दोपहर एक मरीज को अपने 2 डॉक्टरों के पास ले जाने हेतु आपस मे झगड़ा करने लगे और दोनों में काफी देर तक मारपीट होती रही जिसे नजदीक के दुकानदारों ने शांत कराया इसके बाद इन्हें कोई फर्क नही पड़ा और यह फिर अपने काम मे लग गए मगर इनके इस कारनामे से नगर और बस स्टैंड का माहौल खराब होता है जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

शनिवार को दर्ज हुआ दूसरा सबसे ठंडा शहर

नौगांव/छतरपुर, देशबन्धु। बेस्टर्न डिस्टेर्बेंस का असर मध्य प्रदेश से नही जा रहा है प्रदेश के कई जिलों मे अभी भी बारिश दर्ज हो रही है। जहां तक भोपाल और जबलपुर में बादल छाये हुये है। उज्जैन में चार दिन से धूप नही निकल रही। ग्वालियर का मौसम साफ था और प्रदेश के कई हिस्से सुबह 9 बजे तक कोहरे की विजिविलिटी से ढके रहे। नौगांव छतरपुर में भी देर रात कोहरे की मार बीते दो दिनो से देखी जा रही है। शनिवार सुबह सात बजे तक नौगांव में विजिविलिटी 50-100 मीटर के बीच दर्ज की गयी। हालांकि मौसम वैज्ञानिको का कहना है मौसम का यह दौर शनिवार तक जारी रहेगा। अर्थात आठ दिन के तापमान में गिरावट दर्ज होगी चूंकि बादल है तो रात का तापमान बढ़ेगा।

दो दिन बाद हो सकती है क्षेत्र मे बारिश : मौसम का मिजाज वह भी दिसम्बर ठंड का बोलबाला चारो तरफ है। पहाड़ी क्षेत्रों में आज भी लगातार बर्फबारी देखी गयी। जहां तक रात के तापमान की बात है तो पचमढ़ी से ठंडी रात खजुराहो की थी शुक्रवार को खजुराहो का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री थी तो पचमढ़ी का 13.4 डिग्री थी और प्रदेश के सीधी में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ। नौगांव का तापमान 17 डिग्री दर्ज हुआ। बात अगर दिन के तापमान की जाये तो इस सीजन में दूसरा सबसे ठंडा दिन नौगांव में दर्ज हुआ शुक्रवार को दिन का तापमान 27 डिग्री से नीचे गिरकर 24.5 डिग्री दर्ज हुआ। एक दिन में ढाई डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। उसका कारण था कि बादलो के साथ हल्की हवाये भी चलती रही जो शीतलहर का एहसास कराती रही।

यातायात पुलिस ने कोहरे में दुर्घटनाएं रोकने वाहनों में लगाए रिफ्लेक्टर और रेडियम टेप

छतरपुर, देशबन्धु। घने कोहरे को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमित सांघी द्वारा वाहन चालकों एवं आम जनमानस की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

जिले के सभी थाना प्रभारी को सड़क पर चलने वाले ऐसे वाहन जिनके पीछे साइड रिफ्लेक्टर,रेडियम नहीं लगा है उन पर रिफ्लेक्टर , रेडियम टेप लगाने के निर्देश दिए हैं। जिससे आगे चल रहे वाहन या रुके हुए वाहन की विजिबिलिटी स्पष्ट हो और सड़क दुर्घटना से बचाव हो सके।

इसी क्रम में यातायात थाना प्रभारी दलबीर सिंह मार्को के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम द्वारा सड़क पर चल रहे वाहनों ई रिक्शा, ट्रक, ट्रैक्टर-ट्राली एवं ऐसे वाहन जिनके पीछे रिफ्लेक्टर, रेडियम नहीं है, उन वाहनों पर रिफ्लेक्टर, रेडियम लगाए गए है। जिससे आगे जा रहे वाहन या रुके हुए वाहन को पीछे चल रहा वाहन चालक आसानी से देख सके और दुर्घटना होने से बचाव हो सके। यातायात थाना प्रभारी ने बताया कि यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान सभी वाहन चालकों को जागरुक किया।

वाहनों में रिफ्लेक्टर, रेडियम लगाकर उनके संबंधियों एवं परिचितों को भी रिफ्लेक्टर लगवाने की सलाह दी गई है।

अंचल में तीन दिन से छाया कोहरा, रूक रूककर हो रही बारिश

कोहरे से सड़क और रेल यातायात पर असर, देर से चल रही लंबी दूरी की ट्रेनें

छतरपुर, देशबन्धु। *अचानक बदला मौसम का मिजाज अब लोगों के लिये मुसीबत बनने लगा है। तीन दिन से पूरे अंचल में घना कोहरा छाया है और रूक रूककर होने वाली बारिश से पूरा जिला तरबतर हो रहा है। जिससे लोगों को सर्दी सताने लगी है।*

आसमान पर बादल छाये रहने से तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं हुई है। इन दिनों सर्दी का असर सुबह और रात में ज्यादा रहता है। जिससे लोगों को पूरे दिन गर्म कपडे पहनकर आते जाते और जगह जगह आग तापकर सर्दी दूर करते देखा जा रहा है। भले ही इन दिनों माहौल मे ज्यादा ठिठुरन नहीं है पर तीन दिनों से बादलों के साथ कोहरा छाये रहने से धूप नहीं निकल रही है।

ऐसे में आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सुबह से जिन सडकों पर वाहनों की कतारें देखी जाती थीं अब कोहरे के कारण वही सडकें सूनी सुनी नजर आती हैं। सड़कों पर दोपहर बाद वाहनों की आवाजाही बढती है। शहर के बाहरी इलाको में घने कोहरे के कारण रेल और सडक यातायायत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। जिले के छतरपुर, खजुराहो और हरपालपुर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनें निर्धारित समय से काफी देर से पहुंच रही हैं। सडकों पर सभी वाहन रेंगते हुये चलते देखे जा रहे हैं। सर्दी बढने से कपडों की दुकानों पर गर्म कपडों की बिक्री बढ जाने से दुकानदारों के चहरे खिल गये हैं।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को खजुराहो में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और नौगांव में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि बादल छंटने के बाद तापमान में और अधिक गिरावट आयेगी जिससे ठिठुरन ज्यादा बढ जायेगी। अभी दो दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह नाजुक बना रहेगा। 9 दिसबंर तक आसमान पर बादल छाये रहेंगे। बादल छंटने के बाद सर्दी बढने के आसान हैं।

साहित्य

कहानी

नई जंग

■ ख्वाजा अहमद अब्बास

जिस दिन सूबेदार राजिन्दर सिंह की पेंशन मुक़र्रर हुई तो वो बहुत परेशान थे। ऐसा लगता था कि ज़िंदगी का सबसे बड़ा सहारा ही जाता रहा। सूबेदार ने अपनी सारी उम्र फ़ौज में काटी थी। न जाने कितनी जंगों में जान पर खेल कर आधे दर्जन तमगे हासिल किए थे। कितनी ही छावनियों की ख़ाक छानी थी। अपनी बहादुरी और मुस्तैदी से न जाने कितने अफ़सरों की ख़ुशनूदी हासिल की थी। मामूली सिपाही से जमादार और जमादार से सूबेदार मुक़र्रर हुए थे। फ़ौज का कोई ऐसा काम नहीं था जिसमें उन्होंने अपना सिक्का न बिठाया हो। निशाने बाज़ी में हमेशा नंबर अव्वल। चाहे छावनी में चाँद मारी हो या फ़्रंट पर दुश्मन के ख़िलाफ़ लड़ाई। सूबेदार राजिन्दर सिंह का निशाना कभी ख़ता नहीं हुआ था। अपने सिपाहियों को परेड कराते तो एक साथ काम करने वाली मशीनें बना देते। उनका अपने रंगरूटों और सिपाहियों से हमेशा यही कहना होता था। एक साथ क़दम उठाओ। जवानो एक साथ काँधे से काँधा मिलाओ, सीना तानो ऐसे जैसे फ़ौलाद की दीवार। लेफ़्ट राइट... लेफ़्ट राइट...?

पहली जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर सिंह बिलकुल जवान था। जवानी के जोश में ऐसे लड़ता था जैसे मस्त हाथी। इराक़, अरब, जर्मनी, फ़्रांस। जंग के कितने ही मैदानों में उसने अपनी बहादुरी के झंडे गाड़े थे उसे कितने ही मैडल मिले थे। उसके अंग्रेज़ अफ़सरों ने उसकी पीठ ठोंकी थी। जब वो वापस आया था तो उसको कहा गया कि वो चाहे तो फ़ौज छोड़कर अपने गाँव में खेती बाड़ी कर सकता है। उसकी जंगी ख़िदमात के ईनाम में उसको ज़मीन भी अलॉट हुई थी। नौजवान जमादार ने अपने कैप्टन से कहा था। अभी तो यही इरादा है साहब कि गाँव जा कर पहले शादी करूँ और फिर खेती बाड़ी में अपने बाप का हाथ बटाऊँ। मगर कैप्टन ने कहा, वेल जमादार अभी तुम्हारा तीन महीने का छुट्टी बाक़ी है। तुम घर जा सकता है। तीन महीने के अंदर हमको बोलेगा कि आर्मी छोड़ना माँगता है तो हम छोड़ देगा। नहीं तो तुम इधर वापस आ सकता है। हम तुमको अपनी रेजिमेंट में रखेगा जो फ़र्रंटियर जाने वाली है।

ये सुनकर नौजवान जमादार सिर्फ़ मुस्कुरा दिया था। उसने सोचा था हमारे साहब को क्या मालूम कुलवंत कौर क्या चीज़ है। भला कोई ऐसी लड़की से ब्याह करने के बाद घर छोड़कर फ़ौज में जा सकता है ?कुलवंत उनके ही गाँव के पेंशनर सूबेदार रणजीत सिंह की बेटी थी। कुलवंत जिसकी राइफ़ल की नाली जैसी काली-काली आँखें थीं और जिसके बाज़ू ऐसे गदराए हुए थे जैसे आर्मी की डबल-रोटी और जिसकी ज़बान ऐसे चलती थी जैसे मशीन गन और जिसकी याद हर फ़्रंट की हर ट्रेंच में राजिन्दर सिंह के साथ-साथ ऐसे चलती थी जैसे हर रेजिमेंट के साथ सीपरज़ाएंड माईनरज़ का दस्ता चलता है।

पहली जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर सिंह बिलकुल जवान था। जवानी के जोश में ऐसे लड़ता था जैसे मस्त ?हाथी। इराक़, अरब, जर्मनी, फ़्राँस। जंग के कितने ही मैदानों में उसने अपनी बहादुरी के झंडे गाड़े थे उसे ?कितने ही मैडल मिले थे। उसके अंग्रेज़ अफ़सरों ने उसकी पीठ ठोंकी थी। जब वो वापस आया था तो ?उसको कहा गया कि वो चाहे तो फ़ौज छोड़कर अपने गाँव में खेती बाड़ी कर सकता है। उसकी जंगी ?ख़िदमात के ईनाम में उसको ज़मीन भी अलॉट हुई थी। नौजवान जमादार ने अपने कैप्टन से कहा था।

मगर छः बरस के बाद जब वो अपने गाँव पहुँचा और उसके सब रिश्तेदार और दोस्त उससे मिलने, जंग के हालात सुनने और उसके माँ-बाप को उसकी ख़ैरियत से वापसी पर मुबारकबाद देने, राजिन्दर सिंह के घर आए। मगर उसकी आँखें कुलवंत को ढूंढती रहीं। जब सब अपने-अपने घर चले गए तो उसने अपनी माँ से पूछा, माँ। कुलवंत नज़र नहीं आई। और तब उसकी माँ ने उसे वो सब कुछ बता दिया जो तीन बरसों से उससे छुपाते आए थे और जिसके बारे में उसके माँ बाप ने जान-बूझ कर किसी ख़त में ज़िक्र नहीं किया था कि ये ख़बर पढ़ कर न जाने वहाँ मैदान-ए-जंग में बेटा क्या कर बैठे और राजिन्दर को मालूम हुआ कि कुलवंत के ब्याह को तो तीन बरस हो चुके हैं। उसकी शादी क़रीब के गाँव में एक नौजवान ठेकेदार बखूतावर सिंह से हो गई है और अब तो उसकी गोद में एक बच्चा खेलता है।

ये सुनकर राजिन्दर कुछ नहीं बोला। उसे ऐसा महसूस हुआ कि शादी की शहनाइयाँ जो बरसों से उसके कानों में गूंज रही थीं अब दूर होती जा रही हैं... यहाँ तक का वो याद के धुँदलके में खो गईं और उनकी बजाय बिगुल की आहनी चीख़ दूर से पुकारती हुई क़रीब आती गई और उसके शऊर में हज़ारों बम ब-यक-वक्त फट पड़े।

और अगले रोज़ सुबह सवेरे ही वो वर्दी पहन कर वापस जाने को तैयार हो गया। माँ-बाप ने घबराकर सबब पूछा तो उसने सिर्फ़ इतना कहा, बस दो दिन ही की छुट्टी मिली थी। कल हमारी रेजिमेंट फ़र्रंटियर के लिए रवाना हो रही है।

फ़र्रंटेकर रज़बक, जमरूद और दर्रा-ए-ख़ैबर की छावनियाँ। कितने ही बरस उसने कोशिश की किसी पठान की गोली उसका सीना चीर कर इस कमबख़्त जान-लेवा याद का गला घोंट दे जो अब तक उसके दिल को नर्ग़े में लिए हुए है। पर न जाने क्यों हर गोली उससे कतरा के निकल गई।

आसाम, बर्मा की सरहद, जंगल, मलेरिया, उसके कितने ही साथी जो गोलों और गोलियों से न मरे थे मामूली बुख़ार का शिकार हो गए। मगर राजिन्दर को मौत न आई।

दूसरी जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर ने कहाँ-कहाँ मौत को तलाश नहीं किया मिस्र और लीबिया के लक़्क़-ओ-दक़ रेगिस्तान कोहिमा और बर्मा की पहाड़ियाँ। मिलाया के जंगल और दलदल। उसके सीने पर तमग़े लगते रहे। जमादार से वो सूबेदार हो गया। उसकी दाढ़ी में सफ़ेद बाल चमकने लगे। मगर जितने भी ज़ख़्म उसे लगे उनमें कोई भी कारी न साबित हुआ। और एक याद का घाव अंदर ही अंदर सताता रहा यहाँ तक कि दूसरी जंग-ए-अज़ीम भी ख़त्म हो गई। हिन्दोस्तान आज़ाद हो गया। मुल्क की तक़सीम हो गई और राजिन्दर सिंह को पेंशन दे दी गई।

छावनी में ये उसका आख़िरी दिन था। वो ह्.ष्ट.ह्.स के मेस में अकेला बैठा बे-तवज्जुही से रेडियो सुन रहा था पर एक जानी बूझी आवाज़ हिंदुस्तानियों को एक नई जंग के लिए ललकार रही थी।

ये जंग किसी बैरूनी दुश्मन के ख़िलाफ़ नहीं है बल्कि अंदरूनी दुश्मनों के ख़िलाफ़ है...

राजिन्दर सिंह के फ़ौलादी हाथ की पकड़ अपनी राइफ़ल पर और भी मज़बूत हो गई।

ये जंग है जहालत के ख़िलाफ़...

ये जंग है मुफ़लिसी और बेकारी के ख़िलाफ़...

ये जंग है बीमारी के ख़िलाफ़ ...

इस जंग में ख़ंदक़ें नहीं खोदी जाएँगी। कुएँ खोदे जाऐंगे।

इस जंग में अपनी हिफ़ाज़त के लिए संगीन फ़सीलें नहीं बनाई जाएँगी, स्कूलों और हस्पतालों की दीवारें खड़ी की जाएँगी।

ये जंग बंदूक़ों और तलवारों, मशीन गनों और बमों से नहीं, हलों और कुदालों और ट्रैक्टरों और बुल्डोज़रों से लड़ी जाएगी।

राजिन्दर सिंह की समझ में कुछ आया और कुछ नहीं आया। उसे ऐसा महसूस हुआ कि उसके लिए ये नई जंग भी ऐसी ही है जैसी और आम जंगें जो उसने अब तक लड़ी थीं।

वो अरबों से, तुर्कों से, जर्मनों और इतालवियों से और फिर जापानियों से लड़ा था। हालाँकि उसको उनसे कोई दुश्मनी नहीं थी। सिर्फ़ इसलिए लड़ा था कि ये उसके अफ़सरों का हुक्म था और आज उसका सबसे बड़ा अफ़सर उसे इस नई जंग के लिए ललकार रहा था। मगर अब भी सूबेदार राजिन्दर सिंह को ये यक़ीन नहीं था कि ये जंग उसकी अपनी जंग है और उसके अपने दुश्मनों के ख़िलाफ़ है।

उसके दिमाग़ में और उसके दिल में एक अजीब तन्हाई का, एक अजीब अंधेरे का एहसास था। जैसे काली रात में कोई सिपाही जंगल में रास्ता भूल जाए और उसे ये न मालूम हो कि दुश्मन की फ़ौज किधर है। आज उसे अपनी रेजिमेंट से छुट्टी मिल जाएगी। इसके बाद वो कहाँ जाएगा, क्यों जाएगा, कहाँ रहेगा, क्या करेगा। माँ, बाप दोनों मुद्दत के मर चुके थे अब गाँव में उसका कौन है। जिसके पास वो जाए।

इतने में उसे किसी के नए फ़ौजी जूतों की खट-खट सुनाई दी। सूबेदार ने देखा कि एक नौजवान रंगरूट जिसके नर्म-नर्म सर के बाल पगड़ी से बाहर निकले हुए थे और जिसके चेहरे पर दाढ़ी की जगह अभी सिर्फ़ सुनहरी रुआँ ही उगा है। जो पहली बार वर्दी पहन कर अजीब-अजीब लग रहा है और जिसकी निगाहें इधर-उधर किसी को ढूंढ रही हैं। और न जाने उसे कैसे ये महसूस हुआ कि उसने इस लड़के को कहीं देखा है।

सूबेदार राजिन्दर सिंह आप ही हैं

हाँ मैं ही हूँ। तुम कौन हो... बेटा और न जाने उस नौजवान को बेटा कहना राजिन्दर सिंह को क्यों अच्छा लगा।

जी मेरा नाम अमर सिंह है।

तुम्हारे पिता का नाम

बखूतावर सिंह।

क्या काम करते हैं

जी वो ठेकेदारी करते थे। पर कई बरस हुए उनका देहांत हो गया।

और तुम ठेकेदार के बेटे हो कर फ़ौज में भर्ती होने आए हो। क्यों

मेरी माँ ने कहा। मुझे फ़ौज में भर्ती होना चाहिए। देश की हिफ़ाज़त करने के लिए।

बड़ी बहादुर माँ है तुम्हारी। मगर मेरा नाम तुम्हें किसने बताया

माँ ने। वो कहती थीं सूबेदार साहब के पास जाना वो तुम्हें फ़ौज के बारे में सब बता देंगे।

और कुछ भी कहा था

कहा था सूबेदार साहब से कहना उनके गाँव की हालत बहुत ख़राब है।

कहाँ रहती है तुम्हारी माँ।

अपने बाबा के गाँव। सिंघपुर में। तो आप जाऐंगे ना

हाँ बेटा ज़रूर जाऊँगा। बल्कि आज ही, अभी। वहीं जा रहा हूँ। चलो मैं तुम्हें अपने कमांडर साहब से मिला दूँ। तुम्हें फ़ौज में सिंघपुर के बहादुर नौजवानों का नाम अमर रखना है।

वो दोनों एक बूढ़ा और एक जवान। एक पेंशनर और एक रंगरूट क़दम से क़दम मिलाए कैप्टन के ऑफ़िस की तरफ़ चले और उनके बूटों की आवाज़ दूर तक बरामदे में गूँजती रही।

और इस शाम को जब सूबेदार ने अपने गाँव की सरहद में क़दम रखा और तालाब पर मच्छर भिन-भिनाते देखा और मलेरिया के मारे किसानों को देखा और उनके टूटे-फूटे झोंपड़े देखे और हड्डियाँ निकले हुए बैलों को देखा और सूखे के मारे बच्चों को चीथड़े पहने गाँव की गंदी गलियों में खेलते देखा तो उसे दूर जंगी बिगुल बजने की आवाज़ सुनाई दी... ये ऐलान-ए-जंग था लेकिन किसी इन्सानी दुश्मन के ख़िलाफ़ नहीं बल्कि इन्सान के दुश्मनों के ख़िलाफ़। ग़ुर्बत के ख़िलाफ़। गंदगी के ख़िलाफ़... बीमारियों के ख़िलाफ़।

और एक-बार फिर राजिन्दर सिंह का सीना अज़्म से तन गया।

उसे अब नई जंग लड़नी थी।

मैं जोहिला : जोहिला के बहाने नर्मदा की कथा

■ अजय चन्द्रवंशी

आदिम मनुष्य की जिज्ञासा वृति और सहज वृत्ति अपने भौगोलिक परिवेश के अनुरूप मिथकों और लोक कथाओं को जन्म देती रही है। तत्कालीन ज्ञान की सीमाओं के चलते भी मनुष्य की द्वंद्व से मुक्ति की सहज वृति भी इन लोक कथाओं की उत्पत्ति का एक कारण रही है। प्रकृति का मानवीकरण भौतिक वस्तुओं पर चेतना का आरोपण सार्वभौम है, और इसने कई दिलचस्प लोक कथाओं को जन्म दिया है।

लोककथाओं/ विश्वासों में निंदा या सम्मान में चूक की संभावना अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए यदि लोकविश्वास नर्मदा के पक्ष में है और जोहिला और शोणभद्र को लांक्षित करता है तो मानना चाहिए नर्मदा के पक्ष में यह सहानुभूति अकारण नहीं है।

नर्मदा-शोण(सोन)- जोहिला की भौगोलिक स्थिति की विलक्षणता लोकमानस में इस प्रेम त्रिकोण की कथा को विकसित होने के लिए अनुकूल परिस्थिति पैदा करती है। एक ही जगह(अमरकंटक पहाड़ी क्षेत्र) से निकलकर नर्मदा (पश्चिम) और सोन(पूर्व) का विपरीत दिशा में प्रवाह जन मानस में दोनो में अलगाव की कथा सृजित होने के लिए उपयुक्त था। उस पर जोहिला और शोण का संगम ने प्रेम त्रिकोण का रूप लिया।

उपन्यासकार ने इस लोककथा को औपन्यासिक स्वरूप दिया है। वे उस परिवेश से जुड़े हैं और नर्मदा की लोक महत्ता से परिचित और प्रभावित हैं इसलिए उपन्यास का शीर्षक भले %मैं जोहिला% है मगर कहानी मुख्यत: नर्मदा की है। ऐसा प्रतीत होता है जोहिला और शोण इस कथा के उपादान मात्र हैं और केन्द्रीयता नर्मदा की त्रासदी को व्यक्त करना है। यों लोककथा की सीमितता भी अधिक कहने का अवसर नहीं देती बावजूद लेखक ने अपेक्षित विस्तार का प्रयास किया है।

नर्मदा और जोहिला बचपन से सखी हैं। नर्मदा राजसी कन्या है और जोहिला सामान्य नागरिक की पुत्री फिर भी दोनो में गहरी मित्रता है। नर्मदा के व्यवहार से कहीं परिलक्षित नहीं होता कि वह खुद को उससे या अन्य सखियों से उच्च मानती है। जोहिला भी कभी नर्मदा को गैर नहीं समझती या उसके राजसी कन्या होने से मित्रता में कभी असहज महसूस करती है। अवश्य युवावस्था की नैसर्गिक आकांक्षा जोहिला मे नर्मदा की अपेक्षा अधिक प्रकट होती है।यों जोहिला भी संयमित है मगर उसके अंदर नर्मदा के प्रति एक सहज मानवीय प्रतिस्पर्धा का भाव है जो अनायास प्रकट होते रहता है। वह कई बार महसूस करती है कि वह नर्मदा से अधिक रूपवती है मगर उसके अनुरूप उसे प्रतिष्ठा नहीं मिलती। जाहिर है इसका एक कारण सामाजिक स्थिति का अंतर भी है। मगर नर्मदा के अंदर कहीं पर श्रेष्ठताबोध अथवा जोहिला के प्रति प्रतिस्पर्धा भाव प्रकट नहीं हुआ है। लेखक ने कथा का माध्यम जोहिला को बनाया है मगर हम कह चुके हैं पूरे उपन्यास में नर्मदा व्याप्त है। घटनाक्रम की नाटकीयता और प्रेम का द्वंद जो उपन्यास के आखिरी हिस्से में है वह सहज नहीं जान पड़ता।

जोहिला का शोण को देखकर उसके मनुहार पर पिघलते जाना और आंतरिक रजामंदी कहीं गहरे उसके नर्मदा के प्रति अव्यक्त प्रतिस्पर्धा का प्रकटीकरण लगता है जिसकी झलक कई बार उसके अपने रुपाकर्षण के प्रकटीकरण से मिलती है। अवश्य उसमें हल्का सा द्वंद्व और अपराधबोध दिखता है मगर वह उसके शोण के प्रेम निवेदन के आगे कुछ भी नहीं है। इससे विचित्र स्थिति शोण की है। वह कोमोमण्डल का राजकुमार है। अवश्य जागीर छोटी है, मगर है तो जागीर। वह रूपवान योग्य युवक है। नर्मदा के स्वयंवर की शर्त बकावली पादप लाने को कठिन परिस्थितियों में वह पूरा करता है। पूरी विवाह की तैयारी हो जाती है बरात नर्मदा के घर तक आ जाती है। शोण के मन मे कहीं कोई असमंजस या द्वंद्व नहीं दिखाई देता, जिससे लगे कि इस विवाह में उसके लिए कहीं कुछ गलत भी है। मगर जैसे ही वह जोहिला को देखता है। उसके रूप सौंदर्य पर मोहित होता है और तब नर्मदा के प्रति उसके बहुत से असमंजस प्रकट होने लगते हैं।

शोण जिसे प्रेम कहता है वह सामंती अभिरुचि से गंभीर रूप से ग्रस्त है। वह प्रथमत: जोहिला को नर्मदा के साथ भी पाने को तैयार है, उसके लिए यहां कोई दुविधा नहीं है। शोण अपने नर्मदा के प्रति असहजता के लिए जो तर्क गढ़ता है, वह बेहद लचर है। ये सारे तर्क जोहिला को.पाने के भ्रान्त तर्क प्रतीत होते हैं। वह कहता है नर्मदा के परिवेश और व्यक्तित्व और उसके परिवेश में काफी अंतर है जिसका कारण वह नर्मदा और उसके पिता के साम्राज्य की विशालता और अभिजात्य परिवेश को बताता है और स्वयं उससे कमतर मानता है। फिर आगे अपनी कद-काठी को नर्मदा की अपेक्षा कम जानकर हीनता महसूस करता है। आश्चर्य है उसे ये बातें पहले ध्यान नहीं आती! फिर क्या दाम्पत्य में छोटी-मोटी असमानताएं नही होती? फिर यह बात शोण स्वयंवर जीतने के बाद स्पष्ट कर सकता था जिससे नर्मदा को इस तरह विवाह मंडप में आहत नहीं होना पड़ता। इस सम्बंध में शोण का तर्क कि जब मैं बकावली लाने के लिए निकला, तब तक मैंने इस सम्बंध में कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं सोचा था! बाद में जब जब इस ओर गया, तब तक बहुत विलंब हो चुका था। दूसरे के जीवन से खिलवाड़ की कीमत पर यह असमंजसता कमाल का है!

शोण के इस तर्कजाल का अगला तर्क यह है; वह जोहिला से कहता है आप ही मेरे व देवी नर्मदा के मध्य आजीवन सेतु का कार्य कर सकती हैं। नर्मदा से दूर भी रहना है और नर्मदा जैसी स्त्री(जोहिला) की चाह भी है! आगे वह जोहिला से कहता है क्या यह सत्य नहीं कि मेरी भांति आप भी मूलत: जनकन्या हैं? एक छोटा सामंत भी अपने को आमजन कह सकता है! इसमे बुराई नहीं लेकिन आगे का तर्क क्या यह भी सत्य नहीं कि हमारी जोड़ी भी आदर्श होगी, क्योंकि मैं आपसे तनिक लंबा हूँ कमाल का तर्क है दाम्पत्य के लिए पुरूष का स्त्री से कद में लंबा होना जरूरी (आदर्श)है! कहाँ प्रेम का उदात्त रूप जहां वर्ण, जाति, शारीरिकता, खत्म हो जाता है, और कहाँ यह शारीरिक नाप-जोख!

इस तर्कजाल में जोहिला का भी बराबर सहयोग है। कहती है अपनी दुर्दशा के लिए नर्मदा परोक्षत: स्वयं दायी थी। मैने उसे कितना समझाया था कि विवाह जैसे नितांत व्यक्तिगत मसले को लोक कल्याण का उत्स न बनाये।....अब उसे आघात लगा तो वह उसका कारण खोजने के लिए स्वयं के अंतर में झांकने के बदले मुझे कोस रही थी...सोन के जीवन मे मैं नहीं आती तो कोई अन्य आता। इन सब बातों का ध्यान जोहिला को सोन से मिलने के पहले नही आया! माना विवाह व्यक्तिगत मसला है, मगर नर्मदा इसे जनकल्याण से जोड़कर कभी द्वंद्व में नहीं रही थी। वह अपना नायक जननायक चाही तो इसमे बुराई क्या है फिर जिसने स्वयम्वर जीता उसे उसने सहज स्वीकारा। कहीं कोई दुविधा नहीं।न ही यह कोई बनावटी उपक्रम था। इसे बनावटी बताने का उपक्रम शोण और जोहिला कर रहे हैं। आगे एक स्थल पर जोहिला कहती है यह यह ठीक था कि उसने(नर्मदा) अपने ही द्वारा पैदा की परिस्थिति का सामना ना कर उससे पलायन किया था, किंतु यह पलायन तो उसके जुझारू व्यक्तित्व के अनुरूप न था। गजब का तर्क है अपने कार्य के औचित्य को सिद्ध करने के लिए दूसरे पर दोषरोपण कर दो!

त्रासदी होनी थी, हो गई। जोहिला और शोण मिल गए। आहत नर्मदा उनसे दूर चली गई।जोहिला स्वीकारती भी है वह चाहती तो दोनों को नुकसान पहुंचा सकती थी, मगर उसने ऐसा नहीं किया, बल्कि एक तरह से उनके रास्ते से हट गई। उसके व्यक्तित्व की उदात्तता कहीं क्षीण नहीं होती। केवल एक जगह दोनो को अंतरंग सम्बन्ध में बंधे देखकर कर आवेशित होती है और अपशब्द कहती है, जो परिस्थितिवश बहुत असामान्य नहीं है। हमने ऊपर शोण और जोहिला के 'सहज प्रेम' के दावा को प्रश्नांकित करने का प्रयास किया है और 'प्रकृतवाद' से प्रभावित कहा है तो सम्भव है किसी को हमारे विवेचन में 'नैतिकतावाद' हावी दिखाई दे। इस सम्बंध में हमारा कहना है कि अवश्य प्रेम नैसर्गिक होता है, वह कहीं भी किसी से हो सकता है, मगर हर तात्कालिक आकर्षण जरूरी नहीं की प्रेम भी हो, उसमे ठहराव भी जरूरी है।

आमुख में अनामिका जी ने लिखा है पूर्णता का आदर हो सकता है पर उससे प्रेम पाना आसान नहीं, न ही उसके प्रेम का पात्र हो पाना आसान है। कहीं तो कुछ अधूरा हो तभी तो समर्पण की आस जगे। दो अर्धगोले ही मिलकर प्रेम का ग्लोब पूरा करते हैं-जैसे शोण और जोहिला ने किया। इससे हमारी सहमति है मगर उपन्यास में नर्मदा का चरित्र उदात्त होकर भी मानवीय है और वह मानवीय आकांक्षाओं से भरी हुई है।अवश्य उसमे एक गरिमामय गोपन है। मगर विवाह के समय उसकी उत्सुकता उसकी मानवीयता को ही उजागर करती है।उसके व्यक्तित्व में ऐसी 'पूर्णता' नहीं है जिसमे कुछ भरा ही न जा सके और वह मानवीय आकांक्षाओं से परे हो। लेखक ने संक्षिप्त कथा को औपन्यासिक रूप देने का बेहतर प्रयास किया है और उसमे सफल भी है। नर्मदा के चरित्र में उदात्तता है मगर उसका चित्रण मानवीय है। सिर्फ एक जगह भविष्यवक्ता साधु के संदर्भ में इसके दैवीय रूप की झलक मिलती है जो हमारी समझ मे कथा-प्रवाह के लिए सहज नहीं है। इस तरह नर्मदा के दैवीय रूप दिखाने से आगे की उसकी त्रासदी 'लीलामात्र' प्रतीत हो सकती है क्योंकि इससे वह भूत-भविष्य की जानकर प्रतीत होने लगती है।

बहरहाल लेखक लोकमान्यता की सीमाओं से बंधा है, उसे उपन्यास का विस्तार उस दायरे में ही करना है, बावजूद इसके उसने कथानक का विस्तार बेहतर ढंग से करने का प्रयास किया है।पाठकों का संवेदनात्मक जुड़ाव भिन्न-भिन्न अभिरुचि, व्यक्तित्व और संस्कार के अनुरूप भिन्न-भिन्न पात्रों से हो सकता है।

कृति- मैं जोहिला(उपन्यास)
लेखक-प्रतिभू बनर्जी
प्रकाशन- नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

कविता : युद्ध करता है अनथक मेहनत

ईराकी कविता- दुन्या मिखाइल

■ अंग्रेज़ी से रूपांतर-ललित सुरजन

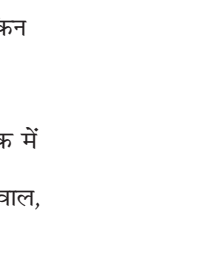

देखो, सचमुच कितना
भव्य है युद्ध!
कितना तत्पर और
कितना कुशल!
अलस्सुबह वह
साइरनों को जगाता है और
एंबुलेंस भेज देता है
दूर-दराज़ तक,
हवा में उछाल देता है
शवों को और
घायलों के लिए
बिछा देता है स्ट्रेचर.
वह माताओं की आँखों से
बुलाता है बरसात को,
और धरती में गहरे तक धँस जाता है
कितना कुछ तितर-बितर कर,
उधर खंडहरों में,
कुछ एकदम मुर्दा और चमकदार
कुछ मुरझाए हुए लेकिन
अब भी धड़कते हुए
वह बच्चों के मष्तिष्क में
उपजाता है हज़ारों सवाल,
और आकाश में
राकेट व मिसाइलों की आतिशबाजी कर
देवताओं का दिल बहलाता है,
खेतों में वह बोता है
लैंडमाइन और फिर उनसे
लेता है जख़्मों व नासूरों की फसल,
बह परिवारों को बेघर-विस्थापित
हो जाने के लिए करता है तैयार,
पंडों-पुरोहितों के साथ होता है खड़ा
जब वे शैतान पर लानत
फेंक रहे होते हों
(बेचारा शैतान,उसे हर घड़ी देनी होती है
अग्नि परीक्षा)
युद्ध काम करता है निरन्तर
क्या दिन और क्या रात,
वह तानाशाहों को
लंबे भाषण देने के लिए
प्रेरित करता है,
सेनापतियों को देता है मैडल
और कवियों को विषय,
वह कृत्रिम अंग बनाने के कारखानों को
करता है कितनी मदद,
मक्खियों तथा कीड़ों के लिए
जुटाता है भोजन,
इतिहास की पुस्तकों में
जोड़ता है पन्ने व अध्याय,
मरने और मारने वालों के बीच
दिखाता है बराबरी,
प्रेमियों को सिखाता है पत्र लिखना
व जवाँ औरतों को इंतज़ार,
अखबारों को भर देता है
लेखों व फोटो से,
अनाथों के लिए बनाता है नए घर,
कफन बनाने वालों की कर देता है चाँदी
कब्र खोदने वालों को देता है शाबासी,
और नेता के चेहरे पर
चिपकाता है मुस्कान,
युद्ध अनथक मेहनत करता है बेजोड़,
फिर भी क्या बात है कि
कोई उसकी तारीफ में
एक शब्द भी नहीं कहता।

जुलाई 2009

तेज रफ्तार कार पलटी, बैंककर्मी समेत 2 की मौत

दोस्तों के साथ मां का जन्मदिन मनाकर इंदौर लौट रहा था बैंककर्मी

भोपाल, देशबन्धु। एमपी नगर क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात कार पलटने से बैंककर्मी समेत दो युवकों की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में जान गंवाने वाला बैंककर्मी दोस्तों के साथ अपनी मां का जन्मदिन मनाने इंदौर से रेहटी (सीहोर) आया था और लौटते समय हादसा हो गया।

पुलिस ने बताया कि मूलत: रेहटी (सीहोर) का रहने वाला 26 रिदम गुप्ता इंदौर में एक निजी बैंक में जॉब करता था। गुरुवार को रिदम की मां का जन्मदिन था। वह मां का जन्मदिन मनाने अपने दोस्तों अभिराज सिंह, रोहित मुकाती और अभिषेके ठाकुर के साथ रेहटी गया था। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे कार द्वारा रेहटी से इंदौर के लिए रवाना हुआ था। भोपाल में यह सभी न्यू मार्केट से बोर्ड ऑफिस की ओर जा रहे थे, तभी शिवाजी नगर चौराहा पर कार उछलकर पलट गई। इस हादसे में रिदम गुप्ता और अभिराज सिंह की मौके पर मौत हो गई, जबकि अभिषेक और रोहित गंभीर रुप से घायल को गए । हादसे की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और घायलों को इलाज के लिए पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि कार से बीयर की 6 भरी बॉटल और इतनी ही खाली बॉटल बरामद की हैं। संभवत: युवकों ने नशे में कार तेज रफ्तार पर चलाने से वह अनियंत्रित हो गई।

स्टेशनरी कारोबारी हैं रिदम के पिता

रिदम के मामा सुनील ने बताया कि उसने एमबीए की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद इंदौर स्थित एक निजी बैंक में उसकी नौकरी लग गई थी। रिदम का एक छोटा भाई है, जिसकी पढ़ाई चल रही है, जबकि उसके पिता विजय गुप्ता रेहटी में स्टेशनरी कारोबारी हैं।

कपड़े की दुकान हैं अभिराज के पिता की

अभिराज सिंह राजपूत पिता विजेंद्र सिंह राजपूत खिड़किया जिला हरदा का रहने वाला था। वो भोपाल में रहकर बी. टेक अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। इसके साथ ही लॉयन कंपनी में जॉब भी करता था। अभिराज के पिता हरदा में कपड़े की दुकान चलाते हैं। उसका छोटा भाई पढ़ाई कर रहा है।

प्रेमिका से मिलने गए युवक की हत्या कर खेत में दफनाया शव

युवती के भाई ने दिया वारदात को अंजाम, गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की उसके भाई ने हत्या कर दी। फिर लाश को जलाकर एक खेत में दफना दिया। पुलिस ने शुक्रवार को अधजली लाश बरामद की है।

पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी ने बताया कोलार थाना क्षेत्र के बोरदा गांव का रहने वाला 21 वर्षीय संजू सिसोदिया गत 23 नवंबर को रात 11 बजे घर से प्रेमिका से मिलने गया था। वह भी बोरदा गांव में ही रहती है। संजू रात भर घर नहीं लौटा। उसके नहीं लौटने पर परिजन ने हर जगह तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद परिजन ने कोलार थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने संदेह के आधार पर प्रेमिका के भाई भूरा धुर्वे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन थोड़ी सख्ती बरतने के बाद उसने संजू की हत्या करना कबूल कर लिया। भूरा ने बताया कि उसे संजू का अपनी बहन से मेलजोल पसंद नहीं था और इसी वजह से उसने संजू की हत्या कर दी। इसके बाद उसने साक्ष्य मिटाने के इरादे से उसके शव को जलाने का भी प्रयास किया। लेकिन जब वह इसमें सफल नहीं हुआ था तो उसने खेत में गड्ढा कर शव को दफना दिया। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी की निशानदेही पर खेत में पहुंचकर खुदाई करवाई और युवक की अधजली लाश बरामद की। इस दौरान घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

सीने पर 2 वार, धड़ के साथ पैर नहीं मिले

संजू के ताऊ के बेटे राकेश सिसोदिया ने बताया खबर मिलते ही पुलिस के साथ हम घटनास्थल पर पहुंचे। यहां देखा कि संजू के शरीर का अधिकांश भाग जला हुआ है। सिर्फ चेहरा बचा था, जिससे उसकी शिनाख्त हो सकी। संजू के सीने पर दो वार किए गए थे। शायद वे गेती के होंगे। उसके धड़ के साथ दोनों पैर नहीं मिले। वहीं जहां लाश मिली, उस जगह के पास ही कुछ जलाए जाने के निशान हैं। इससे लगता है कि लाश को जलाने की कोशिश की गई थी। आखिर में उसे खेत में ले जाकर दफना दिया गया। राकेश ने कहा कि संजू की हत्या में आरोपी का पूरा परिवार शामिल है। उनके घर पर बुलडोजर चलाना चाहिए।

बैंक ऑफ इंडिया ने की सावधि जमा दरों में बढ़ोतरी

भोपाल, देशबन्धु। बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों और आम जनता के लिए(रु. 2 करोड़ एवं अधिक से लेकर रु. 10 करोड़ से कम तक की राशि पर)46 दिनों से 1 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमा (फिक्स्ड डिपाजिट)दरों में वृद्धि की है,जो1 दिसंबर, 2023 से प्रभावी होगी।

बैंक ने छोटी अवधि के लिए अपनी सावधि जमा दरों में वृद्धि की है,अर्थात् 46 दिन से 90 दिन की अवधि के लिए 5.25 फीसदी, 91 दिन से 179 दिन कीअवधि के लिए 6 फीसदी, 180 दिन से 210 दिन की अवधि के लिए 6.25 फीसदी, 211 दिन से 1 वर्ष से कम की अवधि के लिए 6.50 फीसदी और 1 वर्ष की अवधि के लिए 7.25फीसदी प्रति वर्ष तक कर दी हैं। बैंक द्वारा दी जाने वाली ब्याज की वर्तमान दरें प्रतिस्पर्धी हैं, जो एचएनआई, लघुएवं मध्यम कॉर्पोरेट, एनआरआई एवं स्व-रोज़गार में लगे पेशेवरोंद्वारा निवेश पर बहुत आकर्षक ब्याज प्रदान करती हैं।बैंक पहले से ही 2 साल की अवधि वाली 2 करोड़ रुपये से कम राशि की सभी जमा राशियो पर दरें बढ़ा चुका है। यहां, बैंक 2 साल की अवधि के लिए सुपर वरिष्ठ नागरिकों को7.90 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदीऔर अन्य को 7.25 फीसदी तक की उच्चतम ब्याज दर ऑफर कर रहा है। संशोधित ब्याज दरें घरेलू, एनआरओ और एनआरई मियादी जमा राशियों पर लागू हैं।

मतगणना केन्द्र पर सभी व्यवस्थाएं पूरीं, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन - 2023 में जिले के सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना पुरानी जेल स्थित मतगणना स्थल पर 3 दिसंबर, रविवार को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना के लिए सभी इंतेजाम किए जा चुके है। मतगणना के दिन शुष्क दिवस घोषित किया गया है और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि मतगणना प्रात: 8 बजे विधानसभा क्षेत्रवार प्रारंभ होगी। सबसे पहले डाकमतों की मतगणना होगी। डाकमतों की मतणना समाप्त होते ही अभ्यर्थीवार डाकमतों के परिणाम की घोषणा की जाएगी। डाकमतों की मतगणना के आधे घण्टें पश्चात् ईव्हीएम से मतगणना प्रारंभ होगी। प्रत्येक राउंड पूरा होने पर नियमानुसार उस राउंड के परिणाम की घोषणा की जाएगी तथा दूसरे राउंड की गिनती प्रारंभ होगी। ईव्हीएम की मतगणना टेबल पर एक काउटिंग सुपवाईजर एक काउटिंग असिस्टेंट तथा एक काउटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो आर्जवर रहेगा। टेबल पर अभ्यर्थी के मतगणना ऐजेन्ट रहेगें, जिनके बैठने का क्रम मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दल, ऐसे मान्यता प्राप्त अन्य राज्यों के राज्यीय दल जिन्हें उस विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव चिन्ह नियत किया गया है।

मतगणना स्थल पर 3 लेयर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, केवल अधिकृत पासधारी व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतगणना केन्द्र पर प्रवेश नहीं करेगा। मतगणना सेंटर पर प्रत्येक विधानसभा के लिए पृथक-पृथक मतगणना हॉल बनाए गये है, जहां आयोग के निर्देशानुसार टेबलों की व्यवस्था ईव्हीएम एवं पोस्टल बैलेट की मतगणना के लिए की गई है। मतगणना कर्मियों का रेण्डमाईजेशन 3 स्तर पर होगा। प्रथम स्तर का रेण्डमाईजेशन हो चुका है, द्वितीय स्तर का रेण्डमाईजेशन मतगणना के प्रारंभ से 24 घंटे पूर्व होगा तथा तृतीय रेण्डमाईजेशन मतगणना के दिन सुबह 5 बजे होगा। आयोग द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए प्रेक्षक नियुक्त किए गए है और द्वितीय एवं तृतीय रेण्डमाईजेशन प्रेक्षक की उपस्थिति में किया जाएगा। मतगणना स्थल पर अधिकृत मीडियाकर्मी के लिए एक पृथक कक्ष में मीडिया सेन्टर बनाया गया है, जहां पर टेलिफोन कम्प्यूटर, प्रिन्टर एवं इंटरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मीडिया कर्मियों के लिए आयोग द्वारा प्राधिकार पत्र जारी किए गए है।

संभाग आयुक्त ने किया निरीक्षण

उधर संभाग आयुक्त डॉ. पवन शर्मा एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने विधानसभा निर्वाचन के लिये पुरानी जेल में बनाये गये मतगणना स्थल का शुक्रवार को निरीक्षण किया और मतगणना की तैयारियों की जायजा लिया। डॉ. शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों, गणना में लगे कर्मचारी, प्रत्याशी, अभिकर्ता और मीडिया के प्रवेश के साथ ही पार्किंग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों और ईवीएम की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। इस दौरान नोडल मतगणना अधिकारी संदीप केरकेट्टा सहित आरओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संभावना ट्रस्ट ने पेश की रिपोर्ट

23 महीने में हुई 22 गैस पीड़ितों की मौत

कहा-पीड़ितों के स्वास्थ्य पर ध्यान दे सरकार

भोपाल, देशबन्धु। यूनियन कार्बाइड गैस हादसे की 39वीं बरसी से पहले संभावना ट्रस्ट ने बीते 23 महीने की रिपोर्ट पेश की। इसमें बताया कि 1 जनवरी 2022 से अब तक 22 पीड़ितों की मौत हुई है। इनमें से 14की मौत हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) और बाकी की मौतें डायबिटिज (मधुमेह) की वजह से हुई। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा, कि इन आंकड़ों के चलते अब गैस पीड़ितों की सेहत पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। सरकार स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा ध्यान दें।

क्लिनिक में योग चिकित्सक डॉ. श्वेता चतुर्वेदी ने बताया कि 1 जनवरी 2022 से क्लिनिक में इलाज ले रहे 3 हजार 832 गैस पीड़ितों में से 22 की मृत्यु हो गई। 8 मृतकों को उच्च रक्तचाप और मधुमेह दोनों थे। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) सहित श्वसन संबंधी बीमारियां मृतकों में तीसरी सबसे आम बीमारी थीं। क्लिनिक में पंजीकरण सहायक नितेश दुबे ने बताया कि क्लिनिक के आंकड़ों से पता चलता है कि क्लिनिक में पिछले दो साल में इलाज लेने वाले 6 हजार 254 व्यक्तियों में से मधुमेह, कोरोनरी धमनी रोग, न्यूरोपैथी और गठिया की बीमारी गैर गैस पीड़ितों की अपेक्षा गैस पीड़ितों में तीन गुना ज्यादा है। गैर गैस पीड़ितों की अपेक्षा गैस पीड़ितों में उच्च रक्तचाप, एसिड पेप्टिक रोग, अस्थमा, सीओपीडी, सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस और चिंता की बीमारियां दोगुनी है।

सदस्यों ने बताया कि ट्रस्ट सितंबर 1996 से गंभीर रूप से प्रभावित आबादी के बीच क्लिनिक चला रहा है। यहां अब तक 36 हजार 730 व्यक्तियों को दीर्घकालिक इलाज के लिए पंजीकृत किया गया है। क्लिनिक में इलाज का तरीका पंचकर्म सहित योग और आयुर्वेद के साथ आधुनिक चिकित्सा के एकीकरण पर आधारित है।

विश्व एड्स दिवस पर शहर में हुए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल, देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें एड्स के के कारणों एवं बचाव के संबंध में जानकारी दी गई।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एचआईवी,एड्स जागरूकता के लिए दो पहिया वाहन रैली का आयोजन एम्स चिकित्सालय के एआरटी सेंटर से किया गया । रैली को एम्स के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक, एम्स निदेशक डॉ. अजय सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा हरी झंडी देकर रवाना किया गया। रैली में 150 से अधिक दो पहिया वाहन चालकों ने एड्स जागरूकता के संदेश दिए। शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रैली का समापन जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में किया गया। इस अवसर पर एम्स के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक ने कहा कि एड्स होने के कारणों की जानकारी लोगों तक पहुंचे, इसके लिए प्रत्येक स्तर पर जागरूकता पैदा की जानी आवश्यक है।

जिला चिकित्सालय जयप्रकाश में एचआईवी जागरूकता के लिए प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित जागरूकता रैली को आईईसी ब्यूरो की संचालक डॉ. रचना दुबे द्वारा संबोधित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव द्वारा एड्स की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने की शपथ दिलवाई गई। एम्स में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पीपल लिविंग विथ एचआईवी द्वारा

एड्स होने के कारणों और भ्रांतियां के बारे में दी गई जानकारी

अनुभव साझा किए गए। साथ ही चिकित्सकों, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ का एचआईवी अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। डॉ. कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय में गर्भवती महिलाओं एवं उनके पतियों के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें एचआईवी एवं परिवार कल्याण के संबंध में रोचक प्रश्नों के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता ले लिए आकर्षक रंगोली बनाई गई। आईसीटीसी केंद्र टीबी हॉस्पिटल द्वारा चिकित्सकों, मेडिकल छात्रों, पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा रैली एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें गांधी मेडिकल कॉलेज से लोकेंद्र दवे ,डॉ निशांत श्रीवास्तव, डॉ. पराग शर्मा 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। सुल्तानिया अस्पताल में एएनसी महिलाओं को एचआईवी जांच की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।

स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ साथ शैक्षणिक संस्थाओं में भी एड्स जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एचआईवी एड्स के कारणों एवं भ्रांतियों को दूर करने के संदेश दिए। गांधी मेडिकल कॉलेज में आईसीटीसी द्वारा रैली एवं एसटीआई और एआरटी स्टाफ द्वारा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर डीन, माइक्रोबायोलॉजी, ए आर टी स्टाफ उपस्थित रहा। ओरिएंटल कॉलेज ऑफ टेक्नॉलजी भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब द्वारा पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, फेस पेंटिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एलएनसीटी विवि में भी मनाया गया विश्व एड्स दिवस

भोपाल, देशबन्धु। कोलार रोड एलएनसीटी विश्विद्यालय में आज विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जनजागरण हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत रैली के माध्यम से हुई जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों और विश्विद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र छात्राएं शामिल हुए। अपने हाथों में जागरुकता के संदेशों एवं नारों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए कोलार रोड क्षेत्र मे रैली निकाली गई जिसमें एड्स के कारणों और बचाव को बहुत सरल एवं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात नुक्कड नाटक के माध्यम से एड्स की बीमारी के कारणों एवं इससे बचाव के उपायों को आम नागरिकों के समक्ष प्रदर्शित किया गया। विश्विद्यालय में रंगोली और स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इनके उपरांत वैचारिक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जे के हॉस्पिटल, एलएन मेडिकल कॉलेज, पैरामेडिकल संकाय के वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा सभी उपस्थित छात्रों के साथ एड्स के विषय पर चर्चा की गई। तदनंतर सभी एनएसएस स्वयसेवकों तथा अन्य सम्मिलित छात्रों को प्रशंसा पत्र तथा अन्य उपहारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टी डी भखोरिया तथा विश्विद्यालय की ओर से कुलपति डॉ एन के थापक, कुलसचिव डॉ अजीत कुमार सोनी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ ए के चौधरी, डॉ डी के पॉल, डॉ कौशल, डॉ सरला मेनन, श्रीमती मनीषा चतुर्वेदी, श्रीमती रश्मि, डॉ विवेक श्रीवास्तव, डॉ स्वाति मिश्रा, डॉ शैलजा कुरेले तथा अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

नेशनल हैंण्डलूम एक्सपो 4 से

भोपाल, देशबन्धु। संत रविदास मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा भोपाल हाट में 4 दिसम्बर से नेशनल हैंण्डलूम एक्सपो भोपाल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आगामी 17 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। यह जानकारी संत रविदास मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस एक्सपो में प्रदेश के अलावा 9 अन्य राज्यों के हाथकरघा उत्पाद शामिल रहेंगे। हाट बाजार में लगने वाले सौ स्टॉलों में अन्य राज्यों को प्राथमिकता देते हुए सत्तर स्टाल अन्य राज्यों के लिए उपलब्ध कराए गए। जबकि शेष 30 स्टॉल मध्यप्रदेश के लगाए जा रहे हैं। श्रीमती वली ने बताया कि इस एक्सपो में 80 से 90 शिल्पियों की भागीदारी रहेगी, जिनमें 16 स्टॉल दिव्यांगों के लिए आरक्षित किए गए हैं। खास बात यह रहेगी कि इसमं देश के विभिन्न भागों से प्रसिद्ध परम्परागत नवीन एवं उत्कृष्ट हाथकरघा उत्पाद एक ही स्थान उपलब्ध रहेंगे और नेशनल हैंडलूम एक्सपो की प्रमाणिकता पहचाना एवं ख्याती के अनुरूप ही साथ ही पर्याप्त प्रचार-प्रसार से हाथकरघा बुनकरों को उनके उत्पादों के विक्रय का एक वृहद प्लेटफार्म उपलब्ध होगा।

शराबी बेटे ने पिता के सिर में मारा क्वार्टर

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत पुरानी छावनी खटीक मोहल्ले में शराब के नशे में धुत्त एक बेटे ने अपने ही पिता के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी महेश योगी पुत्र नेहरू योगी (65) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत रात को उसका मंझला लडका प्रदीप उर्फ छोटू शराब पीकर घर आया और घर में चिल्लाचौंट करने लगा। जिस पर पिता ने उससे बोला कि घर में शराब पीकर मत आया कर। इसी बात पर से प्रदीप ने पिता से गाली गलौंच कर हाथ मे लिए शराब के क्वाटर को महेश के सिर में मार दिया। जिससे सिर में चोट लगकर खून निकल आया। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी बेटे पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। इधर सिटी कोतवाली थानांतर्गत ही लक्ष्मीगंज क्षेत्र में दो युवकों के साथ पुरानी रंजिश पर चार लोगों ने मारपीट कर दी।

हाड़ा डुंगासरा में युवक ने लगाई फांसी, कारण अज्ञात

गुना, देशबन्धु। जिले के म्याना थानांतर्गत ग्राम हाड़ा डुंगासरा में अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने घर में फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार देर शाम की है। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। यहां शुक्रवार सुबह शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंपा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मवीर उर्फ संजू रघुवंशी पिता प्रहलाद रघुवंशी (28) गत दिवस सुबह मवेशियों को चरा कर घर आकर नाश्ता-पानी कर अपने कमरे में सो गया।

पीजी महाविद्यालय के मुख्य भवन में राघौगढ़, बमोरी और 'बी' ब्लॉक में गुना व चांचौड़ा की होगी मतगणना

गुना, देशबन्धु। *प्रशासन ने मतदान के लिए मतगणना की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। 3 दिसम्बर को विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 28-बमोरी, 29-गुना, 30-चांचौड़ा एवं विधानसभा क्षेत्र 31-राघौगढ़ सहित 1092 मतदान केंद्रों की मतगणना 3 दिसम्बर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना के अलग-अलग कक्षों में प्रात:08 बजे से डाक मतपत्र की गणना होगी। डाक मतपत्र के लिए पृथक से विधानसभावार टेबल लगायी जायेंगी। डाकमत पत्र की टेबल पर एक गणना सुपरवाईजर, दो गणना सहायक और माईक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त रहेंगे। इसके पश्चात 08:30 बजे से ईव्हीएम की गणना प्रारंभ की जायेगी। प्रत्येक विधानसभा में 14-14 टेबल लगायी जायेंगी जिसमें प्रत्येक टेबल पर एक गणना सुपरवाईजर, एक गणना सहायक और माईक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त रहेंगे। रिटर्निंग आफिसर 28-बमोरी शिवानी पाण्डे द्वारा दी गयी जानकारी अनुसार आयोग द्वारा विधानसभा बमोरी के लिए प्रेक्षक राधा विनोद शर्मा की नियुक्ति की गयी है। विधानसभा क्षेत्र 28-बमोरी के 277 मतदान केंद्रों की मतगणना पीजी महाविद्यालय गुना के प्रथम तल के कक्ष क्रमांक 17 में होगी, जिसमें 14-14 टेबलों पर 20 राउंड में मतगणना की जायेगी तथा डाक मतपत्र के लिए पृथक से दो टेबल लगायी जायेंगी। जिसमें मतगणना अभिकर्ताओं का प्रवेश बास्केटबाल परिसर स्थित चैनल गेट से होगा। तथा हिंदी शोध केंद्र के पास चैनल गेट से मतगणनाकर्मियों को प्रवेश मिलेगा*

रिटर्निंग आफिसर 29-गुना दिनेश सावले द्वारा दी गयी जानकारी अनुसार आयोग द्वारा विधानसभा गुना के लिए प्रेक्षक नूह पी बाबा की नियुक्ति की गयी है। विधानसभा क्षेत्र 29-गुना के 264 मतदान केंद्रों की मतगणना पीजी महाविद्यालय गुना के पीछे ''बी'' ब्लॉक के कक्ष क्रमांक 38-39 में होगी, जिसमें 14-14 टेबलों पर 19 राउंड में मतगणना की जायेगी तथा डाक मतपत्र के लिए पृथक से 6 टेबल लगायी जाएगी। मतगणनाकर्मियों एवं मतगणना अभिकर्ताओं का प्रवेश ''बी'' ब्लॉक के 2 नंबर गेट से दिया जाएगा। रिटर्निंग आफिसर 30-चांचौड़ा विकास कुमार आनंद द्वारा दी गई। जानकारी अनुसार आयोग द्वारा विधानसभा चांचौड़ा के लिए प्रेक्षक संजय बिहारी की नियुक्ति की गयी है। विधानसभा क्षेत्र 30-चांचौड़ा के 282 मतदान केंद्रों की मतगणना पीजी महाविद्यालय गुना के पीछे ''बी'' ब्लॉक के कक्ष क्रमांक 36 में होगी, जिसमें 14-14 टेबलों पर 21 राउंड में मतगणना होगी तथा डाक मतपत्र के लिए पृथक से 3 टेबल लगायी जायेंगी। मतगणनाकर्मियों एवं मतगणना अभिकर्ताओं का प्रवेश ''बी'' ब्लॉक के 01 नंबर गेट से दिया जायेगा।

रिटर्निंग आफिसर 31-राघौगढ़ आर. अंजलि द्वारा दी गयी जानकारी अनुसार आयोग द्वारा विधानसभा राघौगढ़ के लिए प्रेक्षक जवारेगोवदा टी की नियुक्ति की गयी है। विधानसभा क्षेत्र 31-राघौगढ़ के 296 मतदान केंद्रों की मतगणना पीजी महाविद्यालय गुना के मुख्य गेट पर स्थित सभागार में होगी, जिसमें 14-14 टेबलों पर 20 राउंड में मतगणना की जायेगी तथा डाक मतपत्र के लिए पृथक से 2 टेबल लगायी जाएंगी। मतगणनाकर्मियों एवं मतगणना अभिकर्ताओं का प्रवेश पीजी महाविद्यालय के मुख्य गेट से दिया जायेगा।

7 लाख 41 हजार 914 मतदाताओं द्वारा किए गए मतदान की मतगणना होगी 3 दिसम्बर को : *17 नवम्बर को सम्पन्न हुए मतगणना 3 दिसम्बर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुना में की जायेगी।*

सड़क किनारे धनिया बीन रहे बुजुर्ग को ट्रक ने रौंदा, मौके पर ही मौत

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थानांतर्गत कंचनपुरा प्रतीक्षालय के पास सडक़ पर फैले धनिया को भर रहे एक बुजुर्ग को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक के बेटे फरियादी शाहिद पुत्र निसार खान निवासी बेरखेड़ी रूठियाई ने बताया कि वह निजी बस में गुना से मधुसूदनगढ़ पर चलता है। उनके पिता निसार खान ग्राम सूकेट के गजराज सिंह गुर्जर की जमीन पाती से लेकर सूकेट स्थित जमीन पर रहते हैं।

गत सुबह वह अपनी बस से गुना से पेपर लेकर पिता को सूकेट पर दे गया था। इस दौरान सुबह करीबन 06.30 बजे सूकेट पर आकर पिता को पेपर देकर अपनी बस को लेकर मधुसूदनगढ़ चला गया। शाहिद के अनुसार कंचनपुरा प्रतीक्षालय के पास रोड पर धनिया फैली पड़ी थी।

जिसे उसके पिता निसार खान भरने लगे। तभी गुना तरफ से कोई अज्ञात चालक अपने ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाकर लाया और करीब 07 बजे मेरे पिता निसार खान में टक्कर मार कर चला गया। जिससे मेरे पिता निसार खान की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर धारा 279, 304ए भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता श्रीमति अनिता उर्फ सुधारानी रजक पत्नि श्री रमेश कुमार रजक निवासी वार्ड नंबर 12, ग्राम पोस्ट नरयावली तह. व जिला सागर म.प्र. शपथपूर्वक निम्न कथन करती हूँ कि:- मैं उपरोक्त स्थान की स्थायी निवासी हूँ। मेरे नाम से एक पॉलिसी एलआईसी शाखा बीना से जिसका पॉलिसी क्रमांक-355289092 दिनांक 08/11/ 2008 को आपकी संस्था से जारी कराई गई थी। उपरोक्त पॉलिसी में मेरा नाम **(ANITA RAJAK)** अनिता रजक लेख है जो कि मेरे मायके का नाम है एवं मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम सुधारानी **(SUDHA RANI)** है जो कि मेरे ससुराल का नाम है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के ही है एवं मुझे उक्त दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। उक्त दोनों नाम की मैं एक मात्र महिला हूँ।

यदि उपरोक्त नाम के संबंध में भविष्य में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद उत्पन्न होता है तो उसकी संपूर्ण जबाबदारी मेरी स्वयं की होगी।

अतः शपथ-पत्र पेश है।

स्थान- सागर
दिनांक
09/10/2023

शपथकर्ता
श्रीमति अनिता उर्फ सुधारानी रजक पत्नि श्री रमेश कुमार रजक

मौसम के बदले मिजाज, जन जीवन अस्त-व्यस्त

कोहरे की तनी चादर, शीत लहरों ने डाला डेरा

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर शाम होते ही कोहरे की आगोश में समाने लगता है। रात होते ही सारे शहर पर कोहरे की चादर तन जाती है। एक ओर जहां कोहरा छा जाने से आने-जाने में लोगों को दिक्कतें होने लगती हैं, वहीं दूसरी ओर शीत लहर की ठिठुरन के कारण लोग हाथ सेंकते नजर आते हैं। सर्दी के बढ़ते ही बाजारों में चहल-पहल कम होने लगी है। दुकानों पर भी सन्नाटा पसरने लगा है। मौसम के बदले मिजाज के कारण स्कूलों एवं कार्यालयों में भी कामकाज पर असर देखा जाने लगा है। शीत लहर ने डेरा डाला डाल रखा है। यूं तो सारे दिन शहर सहित आसपास के इलाकों में शीत लहरें चलती रहीं। एक ओर जहां चुनावी चर्चाओं की गर्मी शहर में बनी रही, वहीं दूसरी ओर मौसम के सर्द मिजाज भी कम नहीं रहे। अधिकांश लोग गर्म कपड़ों में शहर में निकलते दिखाई दिए। बच्चों पर सर्दी का अच्छा खासा असर देखा जा रहा है। सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों के कारण भी अस्पतालों में भीड़ बनी हुई है। हाल ही में डेंगू के प्रभाव से फैली दहशत अब सर्दी में तब्दील हो चली है। बताया गया है कि 9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। शहर में शनिवार सुबह से ही मौसम सर्द रहा। ठंडक मौसम में सारे दिन घुली रही। आज सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। दिन का तापमान 25 डिग्री और रात का तापमान 9.9 डिग्री पर पहुंच गया है।

पार्कों में की बच्चों ने की मौज मस्ती

शाम होते ही नगर के पार्कों और तालाब आदि इलाकों में टहलने वालों के साथ ही बच्चों की भीड़ नजर आने लगी। सर्द एवं खुशनुमा मौसम का लुत्फ उठाने के लिए लोग नगर के तालाब एवं यहां बने पार्कों में टहलने पहुंचे। वहीं महेन्द्र सागर तालाब, बृंदावन तालाब सहित पार्कों में लोगों का मजमा नजर आया। इसी प्रकार देर रात तक चाय पान की दुकानों पर अच्छी खासी भीड़ बनी रही। चुनावी परिणामों को लेकर जहां देर रात तक चुनावी चर्चाओं का दौर चलता रहा, वहीं लोग ने चाय की चुश्कियों के बीच शाम गुजारी। इतना ही नहीं ठंडे मौसम के दौरान चाट और पकौड़ी के अलावा लोगों ने होटलों पर लजीज भोजन का जमकर लुत्फ उठाया।

जीत के लिए देवी-देवताओं को मनाने का सिलसिला जारी, पूजा-अर्चना का चला दौर

कांग्रेस और भाजपा नेताओं ने भी की जीत के लिए प्रार्थना, धड़कनें हुई तेज

टीकमगढ़,देशबन्धु। आने वाली रात विधानसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे उम्मीदवारों से लेकर उनके समर्थकों भारी रही। एक-एक पल बढ़ी मुश्किल से गुजरा। चुनावी परिणामों को लेकर चिंता की लकीरें नजर आ रही हैं। कांग्रेस और बीजेपी उम्मीदवारों के समर्थकों के अलावा कुछ अन्य दलों के उम्मीदवारों में भी परिणामों को लेकर चिंता की लकीरें बनी हुई हैं। शनिवार सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर जारी बना हुआ है। कुछ उम्मीदवारों ने यहां शिव धाम कुंडेश्वर पहुंचकर भगवान से चुनावी परिणामों को लेकर प्रार्थना की, तो वहीं उनके समर्थकों ने भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर जीत के लिए प्रार्थना की। आज सुबह से ही स्थानीय पोलीटेक्निक कालेज भवन में मतगणना का कार्य शुरू होना है, गिनती के पहले ही परिणामों को लेकर अटकलों का दौर जारी बना हुआ है। यहां भी समर्थकों द्वारा हार-जीत को लेकर दावे किए जाने लगे हैं। कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रहे चुनावी घमासान की समापन बेला आ चुकी है। आज 3 दिसम्बर को हार-जीत की अटकलों पर विराम लगने के साथ ही कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल नजर आने वाला है। टीकमगढ़ विधानसभा, खरगापुर एवं जतारा सीट पर बीजेपी को अपनी सीट बचाने का खतरा मड़राता नजर आ रहा है, तो वहीं कांग्रेस पिछले चुनाव में मिली हार का बदला लेने चुनाव मैदान में कमर कस कर उतरी है। अब तक के चुनावी रूझानों पर यदि भरोसा करें, तो यहां से कांग्रेस के पक्ष में सीटें जाती दिखाई दे रही हैं। हार-जीत का अंतर भले ही कम-अधिक हो, लेकिन बीजेपी की हालत पहले से काफी कमजोर दिखाई दे रही है। बीजेपी समर्थकों के लिए लाडली बहिना संजीवनी मानी जा रही है। उन्हें बहिनों पर काफी भरोसा है। बीजेपी समर्थकों को लगता है कि इस बार उनकी नैया लाडली बहिनें ही पार लगाएंगी। इसके साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नारी सम्मान योजना के साथ ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा दिए गए वचनों पर भरोसा है। जनता कांग्रेस के वचनों पर भरोसा कहां तक करती है, यह तो आज घोषित होने वाले चुनावी परिणामों के बाद पता चल सकेगा। बताया गया है कि कुछ उम्मीदवारों ने बल्देवगढ़ की विंध्यवासनी मैया के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए, तो कुछ उम्मीदवारों ने तो तीर्थ स्थानों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर सुंदरकांड पाठ एवं पूजा-अर्चना कर अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रार्थना की गई। देर शाम से कई लोगों की जुबान पर रामायण सीरियल का गीत यही रात अंतिम, यही रात भारी बना रहा। कहा जा रहा है कि दोनों की पक्षों में जीत को लेकर उत्साह है, तो वहीं हार को लेकर आशंका भी बनी हुई है। अब देखना है कि कांग्रेस जीत हासिल कर बीजेपी को हरा पाती है, या फिर बीजेपी अपनी जीत को बरकरार रखती है। मतगणना के साथ ही चुनावी रूझान सामने आने लगेंगे। कुछ ही राउंड की गणना होने के बाद ही आसार नजर आने लगेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा यहां मतगणना केन्द्र पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं, वहीं प्रशासन ने भी गणना स्थल पर कर्मचारियों एवं एजेंटों के बैठने आदि के पर्याप्त इंतजाम किए है।

दिगौड़ा कस्बा में नल का पाइप टूटने पर 2 पक्षों में हुआ विवाद

मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों पर किया केस दर्ज

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा कस्बे के धामना तिगैला के पास शुक्रवार की शाम को नल का पाइप टूटने पर दो पक्षों में विवाद हो गया था। इस विवाद में दोनों पक्षों के द्वारा एक दूसरे की मारपीट का मामला सामने आने पर दिगौड़ा पुलिस ने दोनों पक्षों पर कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे दिगौड़ा कस्बे के धामना तिगैला के पास नाली निर्माण के दौरान नल का पाइप टूट जाने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। पीड़ितों की रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया है। इस विवाद में एक पक्ष के पीड़ित राजू घोष निवासी दिगौड़ा के साथ अतुल, अंकित व अमित साहू ने गाली गलौज, झगड़ा, जान से मारने की धमकी दी गई व पीड़ित के साथ मारपीट कर दी। वहीं दूसरे पक्ष के पीड़ित अनिल साहू के साथ राजू, देवेन्द्र, बंटी व सन्दू घोष ने गाली गलौज, झगड़ा, जान से मारने की धमकी दी गई व पीड़ित के साथ मारपीट कर दी।

मतगणना हेतु नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु मतगणना में नियुक्त गणना सुपरवाइजर, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर का अंतिम प्रशिक्षण शनिवार को आयोजित किया गया। प्रषिक्षण के दौरान मतगणना के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु विधानसभा क्षेत्र-44 जतारा के लिये नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रायनिहतिलांग रापथाप ने मतगणना हेतु आयोजित प्रशिक्षण का निरीक्षण कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मतदान करवाना एक महत्वपूर्ण कार्य है, उसी प्रकार मतगणना का कार्य भी महत्वपूर्ण है, जिसमें अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता है। जिसमे पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटी की संभावना नही रहे। सभी अपने कार्यो को अच्छी तरह समझ ले एवं अपने कार्य से सम्बंधित किसी भी प्रकार का संदेह ना रखे। इस अवसर पर संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर अतिक्रमण का बढ़ रहा दायरा

सीईओ ने कार्रवाई करने तहसीलदार समेत सीएमओ को भेजा पत्र

पलेरा, देशबन्धु। लंबे समय से स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर अवैध रूप से कब्जा कर रखी गई गुमटियां कार्यालय के कर्मचारियों के लिए परेशानी का सबब बन रहीं है। देर रात तक इन दुकानों के बाहर सामाजिक तत्वों का जमावड़ा एवं शोरगुल को लेकर जनपद कार्यालय के पास बने हुए आवासों में रह रहे कर्मचारी परेशान बने हुए हैं। बताया गया है कि अवैध रूप से रखी गई इन दुकानों के सामने मोटर गाड़ियां खड़े किए जाने के चलते दिन भर जनपद कार्यालय पहुंचने वाले कर्मचारी एवं आमजन रोजाना परेशान होते हैं। जनपद कार्यालय के कर्मचारियों की शिकायत पर सीईओ सिद्ध गोपाल वर्मा ने इस पूरे मामले में नगर की कार्य पालक मजिस्ट्रेट डॉक्टर अवंतिका तिवारी समेत नगर परिषद सीएमओ को पत्र जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की है। जनपद कार्यालय से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि लंबे समय से अबैध रूप से कब्जा करते हुए रखी गई इन गुमटियों को हटाया जाकर जनपद कार्यालय परिसर को अतिक्रमण से मुक्त किया जाए। अतिक्रमण के संबंध में जनपद पंचायत कार्यालय से जारी किए गए पत्र की प्रतिलिपि सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा ने जतारा एसडीएम को भी भेज दी है।

सिद्ध आचार्य श्री का 51 वाँ अवतरण दिवस

मेरा रोम-रोम पुलकित होता है, जब आप सबको धर्मध्यान करते देखता हूं: विमर्श सागर

टीकमगढ़, देशबन्धु। मार्गशीर्ष कृष्णा पंचमी 1973 का दिन पावन पवित्र हो गया था, जब बुन्देलखण्ड की धर्मनगरी जतारा में धर्मश्रेठी सनत कुमार जी माँ श्रीमती भगवती देवी के घर में परम पूज्य भावलिंगी संत आचार्य विमर्श सागर जी महा-मुनिराज ने जन्म लिया था । कण-कण पवित्र हो गया था, भारत भूमि का जब युग के श्रेष्ठ संत आचार्य श्री ने मनुष्य देह में जन्म प्राप्त किया था । मात्र 50 वर्ष की वय में ही आचार्य श्री ने इस धरा को जो कुछ भी दिया है, उससे प्राणी मात्र अपने लौकिक और पारमार्थिक मार्ग को प्रशस्त कर रहे हैं। समाज की एकता अखण्डता के लिए पूज्य आचार्य श्री ने जिनागम पंथ का पावन पवित्र सूत्र प्रदान किया है। जिनागम पंथ आपको एक मात्र सच्चे देव- शास्त्र - गुरु से जोड़ता है । जिनागम पंथ नवीन नवीन मान्यताओं के कठघरों से बाहर निकालकर जिनेन्द्र भगवान की वाणी रूप असीम आकाश में स्थित कर देता है। सिद्धचक्र महामण्डल विधान के मध्य आराधकों को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा है तो सच्चे देव - धर्म और गुरु की आराधना कर लेना । आप अपने प्रतिष्ठान, दुकान बन्धुओ ! मानव जीवन प्राप्त हुआ पर बैठे हुए हैं, आपके सामने से जिनेन्द्र भगवान का रथ निकल रहा हो, कोई निर्ग्रन्थ वीतरागी गुरु पद- बिहार करते हुए जा रहे हों, तो अपनी दुकान से बाहर निकलकर भगवान की आरती कर लेना, वीतरागी गुरुजनों के चरण स्पर्श कर लेना। अरे, आज जिनकी भक्ति से तूने जो भी वैभव प्राप्त किया है, उनकी भक्ति आराधना कर ले, तेरा धन-वैभव दिन दूना रात चौगना बड़ता चला जाएगा। ध्यान रखना, यदि इन धर्म और धर्मात्माओं की भक्ति नहीं कर पाया तो आज तो तू ऐशो-आराम की जिंदगी बिता रहा है, लेकिन देव-शास्त्र - गुरु की अविनय से जो तू कर्मों का बंध कर रहा है, वे कर्म तुझे भव-भव में दरिद्री जीवन जीने को कर देंगे। वर्तमान के धन-वैभव के अभिमान में आकर व्यक्ति अपने ही भविष्य को घोर अंधकारमय बना लेता है।

लोग कहते हैं- आचार्य श्री को जब भी देखो, हमेशा चेहरे पर प्रसन्नता ही दिखाई देती है। मैं कहता हूँ - एक पिता को अपने बच्चों को सदमार्ग पर बड़ते हुए देखकर प्रसन्नता होती है। मैं भी आप सबके पिता तुल्य हूँ और जब मैं देखता हूँ कि कितने सारे मेरे बच्चे एक साथ बैठकर धर्म ध्यान कर रहे हैं, तो बताओ मुझे कितनी प्रसन्नता होगी । मेरा तो रोम रोम पुलकित होता है । बन्धुओ ! मनुष्य तो मनुष्य, मैं तो जब तिर्यंच जीवों को भी बंधन में देखता हूँ, तो उन्हें भी आशीर्वाद देता हूँ कि यदि तुम्हें इन वीतरागी गुरु जनों का दर्शन प्राप्त हुआ है तो इनकी श्रद्धा कर लेना तुम्हारा भी हो कल्याण जाएगा।

रंग महोत्सव-कवियों ने किया काव्य पाठ, श्रोताओं ने की सराहना

भेड़िया का मंचन कर दिया गया अवगुणों को त्यागने का संदेश

टीकमगढ़, देशबन्धु। बुंदेलखंड के टीकमगढ़ में पहुना लोकजन समिति द्वारा छठे राष्ट्रीय नाटय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के प्रथम दिवस जहां भेड़िया नाटक का मंचन किया गया, वहीं मंचन के पश्चात कवि सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में बुंदेली के जाने माने कवि देवदत्त द्विवेदी, अखलाख सागरी, जय हिंद दाऊ, प्रदीप खरे मंजुल, सत्य नारायण तिवारी, अनीता श्रीवास्तव, मीनू गुप्ता सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ किया। बताया गया है कि कई मायनो में यह नाटय समारोह अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है बुंदेलखंड में रंगमंच की अलख को जगाए रखने में रंगकर्मी संजय श्रीवास्तव जो की राष्ट्रीय नाटक विद्यालय के स्नातक है उनका और उनके छोटे भाई संदीप श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान है। किसी भी विधा को जीवित रखना और लंबे समय तक इसका संरक्षण करके रखना अपने आप में एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिसका बखूबी सामना पहुना लोग जैन समिति के सभी सदस्य कर रहे हैं। कल नाट्य समारोह का पहला दिन था और पहले दिन का मोर्चा संभाला संस्था के संस्थापक, बुंदेलखंड के गौरव, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक संजय श्रीवास्तव ने नाटक भेड़िए का मंचन करके। भुवनेश्वर की कहानी का नाट्य रूपांतरण सुमन कुमार ने किया एवं इसका निर्देशन एवं एकल अभिनय संजय श्रीवास्तव ने किया। रंगमंच में अलग-अलग विधाओं का समावेश होता है, जिनमें से एकल अभिनय अपने आप में सबसे विशिष्ट और दुरुह अभिव्यक्ति होती हैं, क्योंकि एकल अभिनय में केवल एक पात्र मंच पर होता है और उसे अलग-अलग चरित्र का निर्वहन करते हुए कथा को आगे बढ़ाना पड़ता है। नाटक भेड़िए में संजय श्रीवास्तव ने अलग-अलग चरित्रों को पूरी संजीदगी के साथ जिया। नाटक भेड़िया की कहानी जंगल में खतरनाक भेड़ियों की उपस्थिति को लेकर होती है, यह वह दरिंदे भेड़िए होते हैं, जो किसी को भी जिंदा ही नोच डालते हैं। पिता, पुत्र, दादा के तीन चित्रों को छोटे-छोटे दृश्य बांधों के माध्यम से संजय श्रीवास्तव ने बखूबी दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया कमल तो यह था कि वह अपनी बॉडी लैंग्वेज के माध्यम से कलाकारों का चित्रण बहुत सुंदर तरीके से कर रहे थे, एकल अभिनय में सबसे ज्यादा चूक अलग अलग चरित्रों के बीच संबंध स्थापित करने में होती है। जिसे संजय ने बखूबी से स्थापित किया दादा और पोते के बीच का संवाद कहानी का चित्रण पोते का बाल सुलभ अभिनय, दादा का पोते के प्रति आसक्ति, पिता का अपने पिता के प्रति व्यवहार, चिंता सब कुछ सुंदर तरीके से स्थापित किया गया। उस खतरनाक रेगिस्तान को पार करना जहां खूंखार भेडिया घात लगाए बैठे रहते थे, नाटक की शुरुआत सशक्त शारीरिक अंग संचालन के साथ संजय करते हैं और कहानी को आगे ले जाना शुरू करते हैं घर के छोटे-छोटे दृश्य के बाद बैलगाड़ी में सामान को रखना सुंदर कंठ स्वर का प्रयोग और गांव की नर्तकियों को साथ में ले जाने का दृश्य का संयोजन सुंदरता से किया है। उन्ही नर्तकी में से एक नर्तकी से वो प्यार भी करता है। पिता भी साथ में यात्रा करते हैं। उल्लास के साथ यात्रा शुरू होती है और संजय बखूबी उसे यात्रा के प्रारंभिक चरण को अपने अभिनय के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचने में सफल रहते हैं धीरे-धीरे भेड़ियों की आवाज़ और उनका बैलगाड़ी का पीछा करना और साथ में प्रासंगिक बैक ग्राउंड म्यूजिक और मंच पर एक सशक्त अभिनेता का अभिनय आकर लेना शुरू कर देता है। भेड़िए जैसे-जैसे पास आते हैं संजय उतनी ही तीव्रता के साथ अपनी आवाज के उतार चढ़ाव साधे हुए अभिनेता की सांसों के प्रयोग के माध्यम से उसे दृश्य को और रोचक और लाचार बना देते हैं। संजय एक ऐसे अभिनेता है, जिन्होंने एक लंबा प्रशिक्षण प्राप्त किया है और वह प्रशिक्षण उनकी प्रस्तुति में साफ दिखाई देता है। भेड़ियों का बैलगाड़ी का पीछा करना, बैल को छोड़ना, सामान को पटकने उसके बाद नाचने वाली नर्तकी को इसलिए बैलगाड़ी से उतार देना कि बैलगाड़ी का वजन कम हो जाए, उसे पीड़ा की तीव्रता संजय के चेहरे पर साफ दिखाई देती है, जिस नृत्यकी को वह प्यार करता है। वह भी अपने कानों के आभूषण उसे देती हैं और वह भी भेड़ियों की भेंट चढ़ जाती हैं। यह दृश्य दर्शकों को अपने आप से बांधकर रखते हैं। ऐसा लगता है कि सचमुच भेड़िए बैलगाड़ी का पीछा कर रहे हैं। पार्श्व संगीत इन सारे दृश्य बांधो को रोचकता प्रदान करता है। और इसी बीच वह दृश्य आता है, जो दर्शकों को झकझोर कर रख देता है। पिता कहता है कि अब मैं भेड़ियों के बीच में जाऊंगा और उनका मुकाबला करूंगा। पिता और पुत्र की विदाई का वह मार्मिक दृश्य, जिसे देखकर दर्शकों की आंखों में आंसू आ गए, उसे पूरी संजीदगी और ईमानदारी के साथ संजय ने निभाया। बैलगाड़ी से कूदने के बाद पिता का भेड़ियों के साथ संघर्ष उनसे लड़ाई और फिर अपने आप को समर्पित कर देना दर्शकों के भीतर तक वेदना पैदा कर देता है। नाटक के छोटे-छोटे दृश्य को संजय ने अपने दमदार अभिनय, स्पीच के उतार-चढ़ाव और सुंदर वाचिक अभिनय के माध्यम से दर्शकों के समक्ष पूरी ताकत के साथ प्रस्तुत किया। नाटक जिस रफ्तार के साथ शुरू हुआ, उसी रफ्तार के साथ खत्म हुआ। क्योंकि संजय खुद एक अच्छे लेखक हैं, इसलिए नाटक भेड़िया को उन्होंने अपनी कुछ स्वत: स्फूर्त प्रासंगिक लेखनी के माध्यम से प्रभावी बना दिया। कुल मिलाकर एक बहुत सशक्त नाटक देखने को मिला। जिसमें संजय श्रीवास्तव ने अपने अनुभव और अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। वह टीकमगढ़ और बुंदेलखंड के लिए एक धरोहर के समान है जो रंगमंच को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। पाहुना लोकजन समिति टीकमगढ़ जैसे छोटे शहर में रंगमंच को जीवित रखने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। रंगमंच के विस्तार की यदि बात की जाए, तो यह एक सुविधा विहीन शहर है, जहां पर ना एक ऑडिटोरियम है, जहां पर सुचारू रूप से नाटक का मंचन हो सके। लेकिन एक शादी के गार्डन को अस्थाई मंच बनाकर नाट्य समारोह का आयोजन संस्था द्वारा किया जा रहा है, जो अपने आप में सराहनीय है। मध्य प्रदेश एवं देश के अलग-अलग रंगकर्मियों को मंच प्रदान करने की दिशा में यह संस्था लगातार कार्य कर रही हैं। नुक्कड़ नाटकों की प्रतियोगिताएं एवं कवि सम्मेलन के माध्यम से संस्था न केवल रंगमंच बल्कि कलवार साहित्य की एक अक्षुण्ण अलख को जगा कर रखे हुए हैं। पहुना लोक जन समिति के सभी रंगकर्मी साथियों का हार्दिक अभिनंदन और वंदन वैसे ही रंगमंच की अलग को जगाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहे साधुवाद बधाई।

मारपीट के आरोपी को 8 वर्ष का कठोर कारावास

पन्ना, देशबन्धु। मारपीट के आरोपी को आठ वर्ष के कठोर कारावास से दण्डित किया गया है। विशेष न्यायधीश इन्द्रजीत कुमार रघुवंशी की न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए दण्ड दिया है। मामले के संबंध में जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के मीडिया प्रभारी सहा.जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है, कि 14 जनवरी 2021 को फरियादी छुन्नू ढीमर ने थाना सलेहा में इस आशय की मौखिक रिपोर्ट किया कि 14 जनवरी 2021 को शाम 8 करीब वह लंमकुश से डीजल लेकर खदान बछौन पहुंचा।

उसके साथ में सुजान विश्वकर्मा था। विक्रम यादव अपने साथी लखन यादव के साथ खदान में टपरिया के पास 8 बजे रात्रि करीब आए थे, विक्रम हाथ में लाठी लिए था उससे व सुजान से पूछा कि तुम किसके यहां क्या काम करते हो तो उसने बताया की सुखदेव राजा की खदान में वे दोनों काम करते हैं तो विक्रम यादव बोला की कल से यहां नहीं आओगे, न खदान चलेगी व सुजान से बोला की बैठ जाओ तो वह वहीं जमीन पर बैठ गया।

वह खड़ा था उसने एकदम से उसे मां की गाली दिया तो उसने मना किया तो विक्रम यादव ने एक लाठी उसकी पीठ में मारी तो वह वहीं जमीन पर गिर गया। मुंशी सुजान खड़ा हुआ तो एक लाठी उसके सिर में मारा उसके सिर में चोट लगी काफी खून निकलने लगाए वह व सुजान दोनों चिल्लाये तो हल्ला सुनकर अन्य लोग दौड़कर आये तब उन्हें बचाया तब विक्रय यादव व उसका साथी लखन यादव उन दोनों को मां की बुरी-बुरी गाली देकर बोले की आज तो बच गए, दोबारा यहां अकेले मिले तो जान से खत्म कर देंगे। फरियादी आहत छुन्नू ढीमर की उक्त रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्तगण लखन यादव एवं विक्रम यादव के विरूद्ध थाना सलेहा में अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय इंद्रजीत रघुवंशी, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश पन्ना के न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करते हुये जिला लोक अभियोजन अधिकारी संदीप पाण्डेय एवं अपर लोक अभियोजक सुनील द्विवेदी द्वारा अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराया, न्यायालय के समक्ष आरोपी विक्रम सिंह यादव को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम श्रेणी का होने के कारण कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्को एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी विक्रम सिंह यादव उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम मुटवाकला, थाना कोतवाली जिला पन्ना को धारा 323 भादसं में 03 माह का कारावास एवं 500 रूपए के अर्थदंड एवं धारा 304 भाग दो भादसं में 08 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

मारपीट के आरोपी को तीन माह का कारावास

पन्ना, देशबन्धु। जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के मीडिया प्रभारी सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार घटना संक्षेप मे इस प्रकार है, कि फरियादिया ने इस आशय कि रिपोर्ट लेख करायी कि 21 अक्टूबर 2019 को शाम करीब 4 बजे उसके पति घर में नहीं थे, वह अपने दरवाजे में मिट्टी छाप रही थी, उसका जेठ संतोष उसे अपने घर के अंदर से गालियां दे रहा था, उसने कहा किए गाली क्यों दे रहे हो तो जेठ अपने घर से निकल कर उसे मां बहन की बुरी-बुरी गालियां देने लगाए उसने गालियां देने से मना किया तो वहीं पर पड़ी हुई ईंट उठाकर उसे मारा जो उसके दाहिने तरफमाथे में लगाए खून निकलने लगा। इसके बाद संतोष फरियादिया के बाल पकड़कर घसीटने लगा। सियाराम लोहार ने ललकारा तब संतोष ने उसके बाल छोड़े। मौके में रामचरण नाई की लड़की ने भी मारपीट करते हुये देखा है। सियाराम लोहार के ललकारने पर संतोष ने उसकी मारपीट बंद कर दी व बुरी-बुरी गालियां देता हुआ बोला कि, किसी दिन तुझे जान से मार डालूंगा।

उसके पति गुनौर मजदूरी करने गये थे, जब रात में वापस आये तो पति को बताया एवं अपने पति के साथ रिपोर्ट करने गई। फरियादी की उक्त रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त संतोष विश्वकर्मा के विरूद्ध थाना सलेहा मे अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पन्ना, जिला पन्ना के न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी करते हुए रोहित गुप्ता, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा अभियोजन के साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराया, न्यायालय के समक्ष आरोपी संतोष विश्वकर्मा को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी का कृत्य गंभीरतम श्रेणी का होने के कारण कठोर से कठोरतम सजा दिये जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं न्यायिक दृष्टांतो से संतुष्ट होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी संतोष विश्वकर्मा को धारा 323 भादसं में 03 माह का सश्रम कारावास एवं 200 रूपए के अर्थदंड से दण्डित किया गया।

पुलिस अधीक्षक तिवारी ने लिया मीडिया कक्ष का जायजा

दमोह देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार मतगणना आज 03 दिसम्बर को प्रात: 08 बजे से होगी। मतगणना के मद्देनजर स्थानीय पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिये मीडिया कक्ष का निर्माण किया गया है।

मतगणना स्थल की पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लेने के दौरान पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने मतगणना मीडिया कक्ष का भी जायजा लिया और व्यवस्थाएं देखी और प्रसन्नता व्यक्त की । जनसंपर्क अधिकारी वाई. ए.कुरैशी ने पुलिस अधीक्षक को मीडिया के लिये की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सीएसपी अभिषेक तिवारी भी मौजूद थे।

वन विभाग की मिली भगत से जंगल मे चल रही अवैध पत्थर हीरा खदाने

पन्ना, देशबन्धु। नगर से लगी हुई विश्रामगंज बीट में खुलेआम अवैध रूप से पत्थर तथा हीरा की खदाने संचालित हो रही है। इसके साथ ही व्यापक रूप से जंगलो की कटाई एवं वन्य जीवो के शिकार की घटनाएं भी घटित हो रही है। विश्रामगंज रेन्ज अन्तर्गत विभिन्न बीटो में यह अवैध कारोबार लगातार चल रहा है, रेन्ज में पदस्थ रेन्जर की निष्क्रियता के चलते अवैध कारोबार चल रहा है। माझा, दहलान चौकी, स्मृतिवन, महुटोला, सरकोहा, भियारानी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर अवैध हीरा की खदाने संचालित हो रही है खदाने संचालित करने वालो से वन विभाग द्वारा बकायदा कमीशन लिया जाता है। जिसके द्वारा कमीशन नही दिया जाता उसे खदान नही लगाने दी जाती। बताया जाता है कि इन क्षेत्रो में लगातार वर्षो से वन विभाग की मिली भगत से यह कारोबार संचालित हो रहा है।

एक दर्जन से अधिक वाहन पड़े कबाड़, कब होगी नीलामी

पन्ना, देशबन्धु। जहां एक ओर स्वास्थ विभाग में वाहनो की कमी देखी जा रही है तथा अनुबंध पर वाहन लगाये जा रहे है, वहीं दूसरी ओर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिषर में लाखो के वाहन कबाड की स्थिति में पडे हुए है तथा उनकी नीलामी नही की जा रही है। विभाग द्वारा समय से नीलामी कर दी जाये तो उसकी एवज में नये वाहन खरीदे जा सकते है। लेकिन अनावश्यक रूप से अनुबंध पर वाहन लगाकर कमीशन खोरी का कारोबार विभाग में चल रहा है। अनेको बार इस संबंध में समाचार पत्रो में भी समाचार प्रकाशित किये गये थे। उसके बावजूद विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है।

करंट लगने से पच्चीस वर्षीय युवक की मौत

पन्ना, देशबन्धु। कोतवाली थाना अन्तर्गत जनकपुर ग्राम मे खेत में पानी लगाते समय मोटर चालू करने के दौरान पच्चीस वर्षीय किसान को करेंट लग गया जिसमे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वीर सिंह पिता दशरथ सिंह आदिवासी उम्र 25 वर्ष अपने खेत पर सिंचाई करने के लिए गया था उसी दौरान वह करेंट की चपेट में आ गया तथा उसकी मौत हो गई। जिसकी सूचना परिजनो द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल पंहुचकर पंचनामा कराकर पोस्ट मार्टम कराया तथा शव परिजनो को सौंप दिया।

स्वर्गीय ताम्रकार की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदो को किए फल, कंबल वितरित

दमोह, देशबन्धु। नगर में हमेशा समाज सेवा में तत्पर रहने वाले नगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय राजेंद्र ताम्रकार (सतीश बाबा) के पुण्यतिथि पर बेलाताल टापू साईं बाबा मंदिर में परिवार जनों व मंदिर समिति के द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद को फ्ल और कम्बल वितरित किए जाते है।

इस अवसर पर साईं मंदिर के पुजारी कमलेशानंद महाराज ने बताया कि सतीश भैया हर समय धार्मिक कार्यक्रमों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाया करते थे। वह हम सभी को हमेशा याद आते है। इसी क्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस कड़ाके की ठंड में दीन दुखियों जरूरत मन्दो को साईं मंदिर परिसर में पुण्यतिथि पर ताम्रकार परिवार जनों के साथ मंदिर कमेटी के पं बिहारी लाल गौतम, पं.सुदामा दुबे, कपिल दुवे, नन्नू ताम्रकार, डब्बू ताम्रकार, राहुल ताम्रकार, यश ताम्रकार सहित अन्य लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई।

खराब खाद सामग्री पर 15 का अर्थदण्ड

दमोह देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी मीना मसराम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया द्वारा प्रस्तुत परिवाद पत्र पर कार्यवाही करते हुये दमोह जिले के एक अनावेदक धर्मेन्द्र तिवारी पिता हरिचरण तिवारी निवासी टंडन बगीचा दमोह पर अस्वास्थ्यप्रद एवं अस्वच्छ तरीके से खाद्य पदार्थ का निर्माण, भण्डारण एवं सामग्री बेचने के आरोप में 15 हजार रूपये की अर्थदण्ड शास्ति अधिरोपित की है। उन्होंने क्रय की गई सामग्री को अपील अवधि पश्चात विनष्टिकरण किये जाने हेतु आदेश दिये हैं। अपर कलेक्टर मीना मसराम ने संबंधित को आदेशित किया है कि अधिरोपित शस्ति की राशि एमपीऑनलाईन के माध्यम से ऑनलाइन चालान द्वारा शीर्ष 0210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य 04 लोक स्वास्थ्य 104 शुल्क एवं दंड आदि 0754 खाद्य एवं औषधि नियंत्रण में जमा कराकर चालान की एक प्रति न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अधिरोपित शास्ति की राशि 15 दिवस में जमा की जाये, नियत समयावधि में राशि जमा नहीं किये जाने पर अधिनियम की धारा 96 के तहत भू राजस्व की बकाया की भांति वसूल की जायेगी।

जिला जेल में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष रेणुका कंचन के मार्गदर्शन में जिला जेल दमोह में बंदियों के अधिकार के संबंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त शिविर में विशेष न्यायाधीश (अनु.जाति/जनजाति) शरत चंद सक्सेना, जिला न्यायाधीश/सचिव जिला जि.वि.से.प्रा., जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, अधीक्षक जिला जेल सी.एल. प्रजापति, जेल स्टाफएवं बंदीगण उपस्थित रहे। विशेष न्यायाधीश (अनु.जाति/जनजाति) शरत चंद सक्सेना ने अपने उद्बोधन में बताया कि जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य है कि प्रत्येक बंदी को अपने विधिक अधिकारों की जानकारी हो। वे अपने अधिकारों से अनभिज्ञ न रहें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक दंडित बंदी को अपील करने का अधिकार होता है। अपील हेतु समय सीमा निर्धारित होती है इस कारण अपील निर्णय उपरांत तत्काल करना चाहिए, यदि आप सक्षम

नहीं हैं, तो विधिक सहायता के माध्यम से अपील कर सकते हैं।

जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह अम्बुज पाण्डेय ने बताया कि अभियुक्त को अपने मामले की प्रगति की निरंतर जानकारी हो इसके लिए आप अपने अधिवक्ता से जानकारी लेते रहे। उन्होंने बंदियो के अधिकार जैसे नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह प्राप्त करने, संपर्क अथवा मुलाकात का अधिकार, पढ़ने, लिखने एवं अभिव्यक्ति का अधिकार, मारपीट एवं प्रताड़ना के विरूद्ध शिकायत, व्यक्तिगत सुनवाई का अधिकार, मनोरंजन सुविधाओं, धर्मपालन का अधिकार, उपचार का अधिकार आदि की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का आभार अधीक्षक जिला जेल सी.एल. प्रजापति ने व्यक्त किया।

सीवरेज योजना के लिए खोदी सड़कों की नहीं की मरम्मत, हो रही कीचड़

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंडरग्राउंड सीवरेज योजना के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं किए जाने से वार्डों में कीचड़ हो रही है। पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी सड़कों को बीच से खोदा गया था। इनका कंपनी ने ढंग से रेस्टोरेशन नहीं किया कुछ जगह तो किया ही नहीं है। जिससे बारिश के बाद कीचड़ हो रही है। वाहन चालक फिसल रहे हैं। वार्ड-27 के निवासी आकाशदीप ने बताया कि काली चौक जुमेराती से राजघाट मार्ग पर सितंबर में खुदाई की गई थी। लेकिन मरम्मत नहीं होने से दिक्कत हो रही है। ऑटो चालक स्कूल के बच्चों के लेने नहीं आ रहे। इसलिए बच्चों को काली मंदिर चौक तक पैदल छोड़कर आना पड़ता है। उन्हें लेने के लिए काली चौक जाना पड़ रहा है। रोड खुदी होने से दो वाहन एक साथ नहीं निकल पा रहे हैं।हर्ष नगर निवासियों ने बताया कि सड़क के बीच से लेकर दोनों ओर मिट्टी फैली है, जो कि बारिश के बाद कीचड़ में बदल गई है। वार्ड-15 हर्ष नगर में कीचड़ के कारण वाहन हो रहे स्लिप हो रहे हैं। वहीं वार्ड-18 शांति नगर में सड़क खुदाई होने के बाद मरम्मत नहीं हुई। जिससे वहां कीचड़ हो रही है। वार्ड के पूर्व पार्षद प्रवीण यादव ने कीचड़ में बैठकर सीएमओ नगरपालिका नर्मदापुरम के नाम आवेदन लिख कर समस्या का निराकरण मांगा है। उन्होंने आवेदन में लिखा कि विषयान्तर्गत लेख है जि वार्ड क्रं 18 शांति नगर मे सीवरेज लाइन डालने का जो काम कम्पनी द्वारा किया जा रहा है, वह लापरवाही पूर्वक किया जा रहा है। आवेदन में बताया कि दीवाली से पूर्व वार्ड को खोद कर छोड दिया गया है, जिसमें बेमौसम हुई बारिश से सम्पूर्ण वार्ड में कीचड़ मची हुई है। जिससे लोग कीचड़ में फसकर गिर रहे हैं।

2 घरों के टूटे ताले, अज्ञात ने जेवर, मोबाइल और नगदी चुराए

इटारसी, देशबन्धु। नगर में दो अलग-अलग स्थानों पर दो घरों के ताले टूटे हैं। अज्ञात चोर जेवर और नगदी सहित मोबाइल भी चुरा ले गये हैं। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुदामा नगर पीपल मोहल्ला में 1 और 2 दिसंबर की रात इस्माइल खान पिता इसराइल खान 32 वर्ष के घर का ताला तोड़कर अज्ञात ने अलमारी में रखा मोबाइल और नगदी 1500 रुपए सहित 21,500 रुपए का माल उड़ाया। इसी तरह से पलकमति नगर जमानी रोड पर स्थित एलआईजी 09 निवासी अशोक कुमार पिता त्रियम्बक राव इंगले 47 वर्ष ने शिकायत दर्ज करायी है कि अज्ञात ने उसके मुख्य द्वार का ताला तोड़कर अलमारी में रखे पुराने इस्तेमाल के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

यात्रा करने से पूर्व जांच लें, ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

इटारसी, देशबन्धु। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल में राजनादगांव-कालमना स्टेशन के मध्य रेल लाइन तिहरीकरण कार्य के सम्बंध में कन्हान स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 04, 05, 11 एवं 12 दिसंबर 2023 को तथा 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस 07, 09, 14 एवं 16 दिसंबर 2023 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

आरपीएफ ने पकड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले 28 वेंडर

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन पर नियमों का उल्लंघन करके मनमानी करने वाले वेंडर्स के खिलाफ रेल सुरक्षा बल अभियान चला रहा है। इसी के अंतर्गत आज ऐसे 28 वेंडर्स पर रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। आरपीएफ पोस्ट इटारसी इंचार्ज एसके बाजपेयी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से वेंडिंग करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत निरंतर कार्रवाई की जा ही है। आज शनिवार को भी नियमों का उल्लंघन करने वाले और मेडीकल कार्ड की वैधता समाप्त होने वाले वेंडरों के विरूद्ध सघन अभियान चलाया जिसमें कुल 28 वेंडरों को पकड़ कर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

आज तय आखिर किस पर जनता ने विश्वास जताया

दमोह/पथरिया देशबन्धु। विधानसभा चुनाव मतदान के 15 दिन इंतजार के बाद आज ईवीएम मशीन से उम्मीदवारों की किस्मत खोली जाएगी जिससे पथरिया विधायक कौन और किस पर जनता ने विश्वास जताया यह सामने होगा सुबह 8 बजे से वेलैट पेपर से शुरूवात उसके बाद ईवीएम मशीन की गिनती होगी दोपहर तक स्थिति समझ आयेगी कि आखिर किस का पल्ला भारी रहा पिछले पंचवर्षीय की तरह इस बार भी त्रिकोणीय मुकाबले भाजपा कांग्रेस बसपा होने से सभी अपने अपने दावें लगा रहे हैं लेकिन किसकी किस्मत आज चमकेगी यह मतगणना के बाद पता चलेगा।

जब तक मनुष्य रामकथा नहीं सुनता तब तक मोह नहीं भागता : वैष्णवी

दमोह देशबन्धु। मागंज वार्ड नं 5 दमोह में कथावाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कहा कि जीवन के हर संशय का समाधान श्रीराम कथा करती है। रामचरित मानस में नौ दिन में नौ प्रश्न हैं। निर्गुण ब्रह्म सगुण कैसे हो गया, राम जन्म का कारण क्या है। प्रभु के बाल्यकाल की लीला, विवाह लीला, वनगमन लीला और राक्षसों के मारने का प्रयोजन। अयोध्या में रामराज्य अभिषेक और संतों का चरित्र।

इन्हीं प्रश्नों के उत्तर नौ दिन में दिए जाते हैं। किशोरी जी ने कहा कि भक्त के हृदय में भगवान आए तो आंसू आए बिना रह नहीं सकते। भगवान का स्मरण करते रहिए। हमारे हृदय में विकारों का जो खारा जल भरा है, बाहर निकलना चाहिए। मुख्य श्रोता एवं वार्ड वासी,

अभिषेक तिवारी,मनीष अवस्थी,अमर सिंह राजपूत, बृजराज तिवारी, विनोद साहू,मदन सिंह राजपूत जी,मनोज प्यासी ने सभी से कथा श्रवण करने का अनुरोध किया है।

सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना बैण्ड/डी.जे. ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करेगा

दमोह देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 की घोषणा के साथ ही जिला दमोह में आदर्श आचरण संहिता लागू है। 03 दिसम्बर को मतगणना के दौरान तथा मतगणना उपरांत निर्वाचन के परिणाम की घोषणा के बाद से दमोह जिले में सुरक्षा, लोक शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(1) के तहत लोकहित में विचार करने के उपरान्त विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना प्रक्रिया को व्यवस्थित, स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विधन रूप से संपन्न करने एवं निर्वाचन की घोषणा उपरांत कानून व्यवस्था बनाए रखने, मानव जीवन की सुरक्षा, लोक शांति बनाए रखने हेतु द.प्र.सं. 1973 की धारा 144 में दिये गये प्रावधानों एवं अधिकारों का प्रयोग करते हुये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला दमोह मयंक अग्रवाल ने संपूर्ण जिला दमोह क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्धं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। जारी आदेश में कहा गया है 03 दिसम्बर को मतगणना के दौरान तथा मतगणना उपरांत निर्वाचन के परिणाम की घोषणा के बाद से विभिन्न राजनैतिक दलों/विजयी अभ्यर्थियों/उनके समर्थकों एवं व्यक्तियों द्वारा रैली, जुलूस एवं सभाएं आयोजित की जा सकती है, इस दौरान बिना अनुमति रैली, जुलूस, आमसभा, ध्वनि विस्तार यंत्रों के अनियंत्रित प्रयोग, हथियारों का प्रदर्शन, जन समूह के मध्य विभिन्न साधनों से उत्तेजित वक्तव्यों का प्रसारण, आतिशबाजी का अनियंत्रित प्रयोग, किया जा सकता है जिससे जन आक्रोश उत्पन्न होकर कानून व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित हो सकती है जो शांति व्यवस्था बनाए रखने में बाधक होगी।

उन्होंने कहा सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना एक स्थान पर एक समय में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति एकत्रित नही होंगे। किसी भी राजनैतिक दलों/विजयी अभ्यर्थियों/उनके समर्थकों व्यक्तियों समूह, एवं संस्था द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरूपयोग नहीं करेगा और न ही प्रदर्शन करेगा। किसी भी प्रकार के उत्सव व समारोह में हवाई फायर वर्जित रहेंगे।

किसी भी राजनैतिक दलों/विजयी अभ्यर्थियों/उनके समर्थकों व्यक्तियों समूह एवं संस्था द्वारा सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना प्रदर्शन, जुलूस, वाहन/ साधारण रैली आदि का आयोजन नहीं करेगा। शासकीय/अशासकीय स्कूल मैदान भवन, शासकीय कार्यालय के परिसर पर किसी भी प्रकार की राजनैतिक गतिविधि पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी।

आज होगा जिले के 97 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

- सबसे अधिक 21 उम्मीदवार सागर, सबसे कम 8-8 बीना, खुरई विधानसभा क्षेत्र में
- मतगणना के अधिकत्तम 22 राउंड रहली में तथा सबसे कम 17 राउंड बीना में होगें
- मतगणना में जुटेगें 576 अधिकारी-कर्मचारी, माईक्रो आर्ब्जवर
- मतगणना स्थल पर रहेगी त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

सागर, देशबन्धु। मप्र की 16 वीं विधानसभा के गठन के लिए सागर जिला सहित अन्य जिलों में आज मतगणना की जायेगी। जिला मुख्यालयों पर बने स्ट्रांग रूम से सबसे पहले कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रात: 7 बजे अभ्यर्थी, अभिकर्ता, प्रेक्षक, रिटर्निंग अधिकारी की मौजूदगी में ईवीएम को निकाला जायेगा, फिर अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रवार कक्षों में सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में डाले गये वोटों की गिनती करवाई जायेगी। इसके पहले सुबह 8 बजे पोस्टल बैलेट, 80 प्लस, ईटीपीबीएस तथा दिव्यांग मतदाताओं के वोटों की गिनती होगी। मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये है। बिना पास के किसी भी व्यक्ति को मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं मिलेगा। मतगणना की वीडियोंग्राफी के अलावा सीसी टीवी कैमरों से भी निगरानी की जायेगी। मतगणना में 576 अधिकारी कर्मचारी सहित संपूर्ण प्रकिया में लगभग 1000 अधिकारी-कर्मचारियों की सहभागिता होगी। जिला प्रशासन ने आज शाम 6 बजे तक शुष्क दिवस घोषित किया है। मतगणना के अधिकतम 22 राउंड रहली तथा सबसे कम 17 राउंड बीना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में होंगे। मतगणना के लिए प्रत्येक कक्ष में 14-14 टेबल लगाई गई है। मीडिया की सुविधा के लिए मतगणना स्थल पर मीडिया सेंटर भी बनाया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि जिले की आठों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए होने वाली मतगणना के लिए शा. इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में मोबाइल एवं व्यसन सामग्री जैसे बीडी, सिगरेट, तम्बाकू सहित अन्य ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मतगणना परिसर में प्रवेश के पूर्व त्रि-स्तरीय जांच पड़ताल पुलिस द्वारा की जाएगी। सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8:30 बजे से ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के मतों की गणना शुरू करने के लिए डाकमत पत्रों की गणना खत्म होने का इंतजार नहीं किया जायेगा। डाकमत पत्रों की गणना के लिए एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा एक गणना पर्यवेक्षक और दो गणना सहायकों एवं एक माइक्रो आर्ब्जवर को नियुक्त किया गया। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 4-4 सीसीटीवी कैमरे एवं गैलरी में 12 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये है। मीडिया सेंटर भी स्ट्रांग रूम के सामने तैयार किया जा रहा है। मीडिया सेंटर तक मीडिया कर्मियों के मोबाइल प्रतिबंधित नहीं होंगे, उसके पश्चात सभी मीडिया कर्मियों एवं अन्य सभी के मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित रहेगी।

कड़ी सुरक्षा में डाक मतपत्र कोषालय स्ट्रांग रूम से मुख्य स्ट्रांग रूम पहुंचे

कड़ी सुरक्षा में अभ्यर्थियों, प्रेक्षक की उपस्थिति में डाक मतपत्रों को जिला कोषालय स्ट्रांग रूम से मुख्य स्ट्रांग रूम के लिए किया गया रवाना। डाक मतपत्रों को जीपीएस लगे कन्टेनर वाहन से परिवहन किया गया। इस अवसर पर प्रेक्षक सुनील कुमार, कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी सहित समस्त विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी अभिकर्ता रिटर्निंग अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने बताया कि आयोग के निर्देशों के तहत जिले के 8 विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों, गणना अभिकर्ताओं प्रेक्षकों, सभी रिटर्निंग अधिकारियों की मौजूदी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम से निकालकर शास. इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम भेजा गया। संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। इंजीनियरिंग कालेज के स्ट्रांग रूम से आज पुन: अभ्यर्थियो, गणना अभिकर्ताओं की उपस्थिति में डाक मतपत्रों को निकालकर अलग-अलग विधानसभा मतगणना कक्षों में कड़ी सुरक्षा एवं वीडियोग्राफी के साथ भेजा जाएगा, जहां उनकी गणना होगी।

112 टेबल पर होगी वोटों की गिनती

जिले के आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ईव्हीएम पर डाले गये मतों की गणना 112 टेबल पर की जायेगी। प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में डाले गये मतों की गणना के लिए 14-14 टेबल का उपयोग किया जायेगा।

रहली में 22 और बीना में 17 राउंड

जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र की जो चक्रवार गणना होगी, उसमें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र रहली के ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना 22 चक्र में, विधानसभा क्षेत्र बंडा की 21, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र खुरई की 19, बीना की 17, सुरखी की 20, देवरी की 19, नरयावली की 20 एवं सागर की 18 राउंड में ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना होगी।

मतदाता और मतदान-प्रतिशत

विगत 17 नवंबर को हुए मतदान में जिले के 17 लाख 82 हजार 725 में से 13 लाख 50 हजार 187 मतदाताओं ने मतदान किया था। मतदान का कुल प्रतिशत 75.74 रहा था। सबसे अधिक 79.83 प्रतिशत रहली विधानसभा क्षेत्र में तथा सबसे कम 66.77 प्रतिशत सागर विधानसभा क्षेत्र में मतदान हुआ था।

मतदाता और मतदान-प्रतिशत

पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई है। मतगणना के दिन शासकीय अधिकारी-कर्मचारी के स्ट्रांग रूम में प्रवेश के लिए स्ट्रांग रूम के सामने से प्रवेश दिया जाएगा और सभी को प्रवेश पत्र जारी होगा, जिसके परीक्षण के उपरांत ही प्रवेश दिया जाएगा। जिले के आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वर्दीधारी सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर गणना परिसर में केवल पासधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों व उनके द्वारा नियुक्त किए जाने वाले गणना अभिकर्ताओं के लिए पास जारी किए गये है। जबकि अधिकारी कर्मचारी एवं मतगणना कार्यों को संपादित करने वाले मतगणना कर्मियों के लिए विधानसभावार निर्धारित रंगों के पास जारी किए गये है।

200 मीटर तक जुलूस, प्रदर्शन, पटाखे प्रतिबंधित

प्राधिकृत अधिकारी/कर्मचारी को छोड़कर अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार की फोटो, वीडियोग्राफी एवं मतगणना स्थल के 200 मीटर की परिधि में धरना, प्रदर्शन, जुलूस, नारेबाजी, पुतला दहन आदि का आयोजन तथा पटाखों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही मतगणना स्थल की 100 मीटर की परिधि में वाहनों की आवाजाही पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी।

डाक मतपत्रों की गणना 20 टेबलों पर

डाक मतपत्रों की गणना 20 टेबलों पर मतगणना की जाएगी। डाक मत पत्रों की गणना के लिए बीना, खुरई, सुरखी, देवरी, बंडा के लिए 2-2 टेबल, रहली, नरयावली के लिए 3-3 और सागर के लिए 4 टेबल लगाई गई है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतगणना कक्ष में चुनाव डयूटी में संलग्न रहे अधिकारी-कर्मचारियों के वोटो की गिनती के लिए एक-एक (आठ) इस प्रकार कुल 20 टेबल लगाई गई है। अनुपस्थित श्रेणी 80 प्लस, पीडब्लयुडी, आवश्यक सेवा सुविधा केन्द्र व अन्य जिलों के मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट डाक मतपत्र के माध्यम से 10,142 वोट डाले गये। बीना विस क्षेत्र के लिए 787, खुरई में 958, सुरखी में 1077, देवरी में 1126, रहली में 1474, नरयावली में 1501, सागर में 2138 और बंडा विस क्षेत्र में 1081 डाक मतपत्रों की गणना होगी। इसके अलावा गत 30 नवंबर तक 256 ईटीपीबीएस मतपत्र प्राप्त हो चुके थे।

पं. रविशंकर विद्यालय की छात्रा ने लिया आयुक्त एवं सीईओ स्मार्ट सिटी का साक्षात्कार

सागर, देशबन्धु। ईएफए पं. रविशंकर शुक्ल क.उ.मा.वि. की छात्रा दीक्षा मिश्रा द्वारा विद्यालय से प्रत्येक माह जारी होने वाली हस्तलिखित पत्रिका हेतु निगमायुक्त सागर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्मार्ट सिटी चंद्रशेखर शुक्ला का साक्षात्कार लिया गया जिसमें छात्रा द्वारा उनके विद्यार्थी जीवन से संबंधित पसंदीदा विषय, कविता एवं साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूचियों के विषय में प्रश्न पूछे गये। जिसका आयुक्त द्वारा बड़ी सहजता से उत्तर दिए गए। इसके अलावा वर्तमान में हुए चुनाव, चुनाव आयोग के मुख्य कार्य, भावी मतदाता को जागरूक करने के लिए संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भावी मतदाता को किसी प्रलोभन में आए बिना सोच-विचार कर उचित व्यक्ति को अपना मत देना चाहिए, जिससे समाज का हित हो सके। बच्चे किस प्रकार आम जनता को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए सहायक हो सकते हैं। इस प्रश्न का जबाव देते हुए चन्द्रशेखर शुक्ला ने कहा कि इसमें शिक्षक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे छात्रों को इस विषय में जागरूक करें जिससे विद्यार्थी अपने अभिभावकों को मतदान का महत्व समझा सकेंगे तथा मत प्रतिशत भी बढ़ाना सहज संभव हो पायेगा। नई शिक्षा नीति पर पूछे गये प्रश्न पर उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा नीति छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप तिवारी भी वहां मौजूद रहे। उन्होंने आयुक्त को विद्यालय में चलने वाली साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी तथा वर्तमान में विद्यालय में चल रही एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कक्षाओं के बारे में भी बताया। साक्षात्कार के दौरान विद्यालय के मार्गदर्शक शिक्षक सुमित सिंह राठौड, डॉ. ख्याति बेलापुरकर, शशांक धूपड़ भी उपस्थित थे।

मतगणना की पूर्व संध्या पर शहर सेवादल ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

सागर, देशबन्धु। मप्र विधानसभा चुनाव की मतगणना के एक दिन पूर्व म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के आह्वान पर तीनबत्ती स्थित हनुमान मंदिर पर हनुमान चालीसा का पाठ कर कांग्रेस की सरकार बनाने की हनुमान जी महाराज से प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अमित दुबे रामजी, शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, प्रदीप गुप्ता, जित्तू रोहण, ओमप्रकाश पंडा, राजकुमार श्रीवास्तव, नितिन पचौरी, अंकुर यादव, लल्ला यादव आदि सेवादल परिवार जन उपस्थित रहे।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारम्भ कार्यक्रम 4 को

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 4 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करेंगी।

फार्म हाउस में घुसा 6 फीट लंबा कोबरा

सागर, देशबन्धु। पटकुई बरारू में डॉ. यशपाल का फार्म हाउस है। जहां पर सुनील पटेल चौकीदारी करते है। वे शुक्रवार रात फार्म हाउस के कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान पत्नी खाना देने के लिए पहुंची। पत्नी ने चौकीदार पति के बिस्तर में तकिये के नीचे सांप देखा तो वह सहम गई। उसने तत्काल पति को जगाया। लेकिन वह नहीं जागे तो पैर पकड़कर खींचा और सांप होने की बात कही। चौकीदार सुनील बिस्तर से उठे और सांप देखा तो घबरा गए। उन्होंने तत्काल स्नेक कैचर को सूचना दी। स्नेक कैचर असद खान ने फार्म हाउस पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया। सांप बिस्तर में तकिए के नीचे छिपा बैठा था। जिसे ही स्नेक कैचर ने तकिया हटाया तो सांप ने जमकर फुफकार मारी। हालांकि कुछ ही देर की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया। स्नेक कैचर ने बताया कि फार्म हाउस के चौकीदार के बिस्तर में मिला सांप कोबरा प्रजाति का है, जो करीब 6 फीट लंबा है। समय रहते सांप को देख लिया। जिससे अप्रिय घटना होने से बच गई। कोबरा प्रजाति का सांप बेहद जहरीला होता है।

PhysiQure®
सी.टी.एन. हॉस्पिटल

आपका स्वास्थ्य, हमारा वादा।

Chest

Ortho

Physiotherapy

Neuro
अनुभवी एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की टीम द्वारा नई एवं आधुनिक सुविधाओं के साथ सभी प्रकार के इलाज की सुविधा
PhysiQure (सी.टी.एन) हॉस्पिटल में उपलब्ध सुविधाएं
• फेफड़े, दमा एवं साँस रोग
• हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
• क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
• फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ
• न्यूरो एवं स्पाइन रोग
• एडवांस I.C.U एवं H.D.U
• ऑपरेशन थिएटर एवं प्लास्टर रूम
• AC डीलक्स, प्राइवेट रूम
• वेंटीलेटर एवं बाईपेप की सुविधा
• 24x7 पैथोलॉजी, फार्मेसी, इमरजेंसी
• रुद्राक्ष हॉस्पिटल भोपाल के सुपर स्पेशलिस्ट की सुविधा
संपर्क करें : 07582-238216, +91 890 890 2010, 9522210321
पता- तिली तिराहा के पास, राजघाट रोड, बाघराज वार्ड, सागर (म.प्र.)

खेमचंद हॉस्पिटल, सागर
आपका विश्वसनीय खेमचंद अस्पताल, अब नए अवतार में
✓100 बेड ✓ एडवांस ICU ✓अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर
✓ एम्बुलेंस सुविधा ✓ कैंटीन व ठहरने की सुविधा
+ विशेष चिकित्सा विभाग +
+ जनरल मेडीसिन + स्त्री एवं प्रसूति रोग + हड्डी रोग + बाल्य एवं शिशु रोग
+ श्वांस रोग + क्रिटिकल केयर यूनिट + फिजियोथैरेपी व रिहैब + वेंटिलेटर सुविधा
अनुभवी एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की टीम
डॉ. रुबी रेजा — DGO, FICOG (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. अपूर्व लोया — MS, MCh (प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जन)
डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह सेंगर — MD (जनरल मेडीसिन)
डॉ. अजय जैन — MD (जनरल मेडीसिन)
डॉ. एस.के.साहू — MS (जनरल सर्जन)
डॉ. सौरभ जोशी — DCh (बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञ)
डॉ. आयुष चौहान — MS (हड्डी रोग एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन)
डॉ. शिवानी चढ़ार — MBBS (जनरल फिजिसियन)
डॉ. सचिन जैन — G.P. (जनरल फिजिसियन)

अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर
24/7 Emergency Services

एडवांस ICU
पता- बड़ा बाजार, केशवगंज वार्ड, सागर
संपर्क करें : 7898922699, 8085432139
अधिक जानकारी के लिए QR CODE स्कैन करें

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।